Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 31 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 11 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

हमें पर द्रव्य को नहीं आत्म द्रव्य को मुख्य बनाना चाहिये।

Let's us concentrate mainly on substance of self instead of other substance.

राज्य और केन्द्र सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़ का होगा तेजी से विकास : केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर

केन्द्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ में हो रहे कार्यों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा- छत्तीसगढ़ जल्दी ही वापस पाएगा 'पॉवर सरप्लस स्टेट' का दर्जा

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय विद्युत तथा आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने आज अपने रायपुर प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ में ऊर्जा तथा शहरों में आवास व जनसुविधाएं विकसित करने किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में आयोजित बैठक में कहा कि राज्य और केन्द्र सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास होगा। छत्तीसगढ़ में बिजली और आवास से संबंधित सभी आवश्यकताएं पूर्ण करने के लिए भारत सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनेक सुधारवादी कदम उठाएं जा रहे हैं। जनआकांक्षाओं के अनुरूप काम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने बैठक में कहा कि लोगों को सस्ती और पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने केन्द्र सरकार द्वारा अनेक अनुदान योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भी कई योजनाएं हैं। उन्होंने राज्य सरकार को भारत सरकार द्वारा दी जा रही सभी निधियों और अनुदानों का पूर्ण उपयोग करने को कहा। राज्य में जिस तेजी से काम होंगे, उसी तेजी से भारत सरकार द्वारा राशि जारी की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य में विकास योजनाओं को लेकर केन्द्र सरकार की ओर से कोई कठिनाई नही आएगी। दोनों बेहतर समन्वय से काम करेंगे।

केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने बैठक में सुझाव दिया कि क्लिीन सिटी के तहत रायपुर को मिली 100 बसों का उपयोग नया रायपुर और रायपुर के बीच चलाने के लिए भी कर सकते हैं। उन्होंने विद्युत विभाग के अंतर्गत लाइन-लॉस को कम करने के लिए किए जा रहे कार्यों, स्मार्ट मीटर की स्थापना, विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों में विद्युतीकरण और बिजली उत्पादन के लिए कोयला की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने आवासन एवं शहरी कार्यों के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्वनिधि, अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम ई-बस सेवा, स्मार्ट सिटी मिशन और राष्ट्रीय शहरी विकास मिशन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इन योजनाओं के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बैठक में केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यभार सम्भालने के एक माह के भीतर ही वे यहां विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। उनके सहयोग से राज्य में विकास की गति को तेज करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य में तेजी से काम हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ जल्दी ही 'पॉवर सरप्लस स्टेट' का दर्जा वापस पा लेगा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि प्रदेश में पिछले छह महीनों में किसानों और छोटे कामगारों के लिए बिजली की उपलब्धता में सुधार आया है।

केंद्रीय वित्त आयोग का दल पहुंचा रायपुर, विमानतल पर अधिकारियों ने किया स्वागत

16 वें केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया एवं सदस्यगण रहेंगे चार दिवसीय प्रवास पर

रायपुर (विश्व परिवार)। 16 वें केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया आज चार दिनों के छत्तीसगढ़ आवास पर स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर पहुंचे। उनके साथ आयोग के सदस्य श्री अजय नारायण झा, श्रीमती एन्नी जार्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौम्यकांति घोष, सचिव श्री रित्विक पांडे, सयुंक्त सचिव श्री कमल कुमार मिश्रा, संयुक्त संचालक श्री राघवेंद्र सिंह सहित दल के अन्य सदस्य भी आये। दल का स्वागत वित्त विभाग के सचिव श्री मुकेश बंसल, एनआरडीए के सीईओ श्री सौरभ कुमार, राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव डॉ सर्वेश्वर भूरे, एमडी सीजीएमएससी श्रीमती पद्मिनी भोई, रायपुर कलेक्टर डॉक्टर गौरव सिंह ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। अतिथियों को राजकीय गमछा पहनाया गया और पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया गया।

केन्द्रीय वित्त आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 जुलाई, गुरुवार को सुबह 10 बजे केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष और सदस्य मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से उनके मंत्रालय स्थित कक्ष में मुलाकात एवं चर्चा करेंगे। इसके बाद सुबह 10.25 बजे वित्त आयोग की बैठक मंत्रालय महानदी भवन में होगी। इस बैठक को मुख्यमंत्री श्री साय सम्बोधित करेंगे एवं राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। बैठक में राज्य की वित्तीय स्थिति का प्रस्तुतिकरण भी होगा। 11 जुलाई को ही होटल मेफेयर में दोपहर 2.30 बजे से शाम 5 बजे तक वित्त आयोग के साथ पंचायत राज संस्थाओं और नगरीय संस्थाओं तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा होगी। केन्द्रीय वित्त आयोग की 12 जुलाई को उद्योग और वाणिज्य संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ होटल मेफेयर में सुबह 9.15 बजे से 10 बजे तक चर्चा होगी। इसके पश्चात सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक नया रायपुर भ्रमण का कार्यक्रम है। नया रायपुर भ्रमण पश्चात वित्त आयोग के प्रतिनिधि जगदलपुर के लिए रवाना होंगे और रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन 13 जुलाई को जगदलपुर सर्किट हाउस में पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे।

श्री श्याम बिहारी जायसवाल
माननीय स्वास्थ्य मंत्री
छत्तीसगढ़ शासन

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा

11 जुलाई से 24 जुलाई, 2024

विकसित भारत की नयी पहचान
परिवार नियोजन हर दम्पत्ति की शान

शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में नसबंदी उपरांत हितग्राहियों हेतु प्रावधानित प्रोत्साहन/प्रतिपूर्ति राशि

अंतराल महिला नसबंदी	प्रसवोत्तर महिला नसबंदी	पुरुष नसबंदी
2000 रु.	3000 रु.	3000 रु.

सही उम्र में शादी करें, सोच समझ कर बच्चे
मिलकर ज़िम्मेदारी निभाएं, बनें पालक अच्छे

अस्थायी गर्भ निरोधक साधन छाया एवं अन्तरा को अपनाएं

अधिक जानकारी के लिए निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क करें

सभी शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क परिवार कल्याण के साधन जैसे पुरुष एवं महिला नसबंदी, निरोध, गर्भ निरोधक गोली, इंजेक्शन, कॉपर-टी की सुविधा उपलब्ध है।
अधिक जानकारी के लिए अपने निकट के स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्वास्थ्य केंद्र अथवा टोल फ्री नंबर 104 पर संपर्क करें।

SAMVAD- 40770/ 7

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई–बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

फसल बीमा कराओ
सुरक्षा कवच पाओ

8 वर्षों की मुख्य उपलब्धियां

62 करोड़ से अधिक किसान आवेदन प्राप्त | 19.67 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों को फसल मुआवजा का वितरण | ₹1.60 लाख करोड़ से अधिक का बीमा दावा भुगतान

देशव्यापी हेल्पलाइन 14447

पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2024

nafed
नाफेड का भरोसा

e-samridhi

अपनी फसल नाफेड को सीधे बेचने हेतु पोर्टल पर पंजीकरण के लिए QR कोड स्कैन करें

बीमा प्रीमियम के अलावा किसी एजेंट या सीएससी को कोई भी शुल्क न दें।
अतिरिक्त शुल्क मांगने पर 14447 पर सूचना दें।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार

अपनी फसलों को आज ही बीमित करने के लिए संपर्क करें

जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा

@PMFBY

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

ग्राम विकास में सरपंच-सचिव की अहम भूमिका : कलेक्टर

विकास को गति देने के साथ ही स्थायी परिसंपत्ति निर्माण पर जोर

कलेक्टर ने सरपंच-सचिव और जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने बुधवार को स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम गुरु घासीदास शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कसडोल में सरपंच एवं सचिवों की बैठक लेकर विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सरपंच व सचिव को ग्राम विकास में अहम भूमिका बताते हुए विकास के दोनों मजबूत पहियों को संतुलन बनाकर गति देने कहा।

कलेक्टर ने कहा कि अधोसंरचना निर्माण के साथ ही साथ स्थायी परिसम्पत्ति के निर्माण को प्रोत्साहित करें। उन्होने कहा कि अधिक से अधिक डबरी निर्माण, खेल मैदान तथा सभी ग्राम पंचायतो में अमृत सरोवर का निर्माण कराएं। उन्होने महिला समूहों को जागरुक और सक्रिय कर आजीविका मूलक कार्य शुरू करने कहा। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत बल्दाकछार और औरई ग्राम में विशेष पिछडी जनजाति के लोगों को पीएम आवास सहित सभी योजनाओं से शत प्रतिशत लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण प्रगति की समीक्षा करते हुए तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होने छत ढलाई के लिए पर्याप्त मात्रा में सेटरिंग प्लेट की उपलब्धता के लिए पंचायतों को खरीदी करने एवं किराये पर हितग्राहियो को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायतों में शांति और भाईचारे के साथ विकास कार्यो को गति देना है। किसी प्रकार की अवैधानिक कृत्य या रणनीति के सम्बंध में जानकारी मिलने पर तत्काल उच्च अधिकारी को या जिला कंट्रोल रूम नंबर 9479190629 पर सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। सरपंच सचिव विवाद या अन्य अवैधानिक गतिविधियों पर नजर रखें। अपने पंचायत को विवाद मुक्त ग्राम पंचायत बनाने का पूरा प्रयास करें। इसके लिए जिला प्रशासन का पूरा सहयोग रहेगा।

नगरीय निकाय एवं जनपद के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक : नगर पंचायत कार्यालय कसडोल के सभाकक्ष में नगरीय निकाय एवं जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विकास कार्यो एवं समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में गहन चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र में शांति एवं भाईचारा स्थापित करते हुए विकास कार्यो को अमलीजामा पहनाने की अपील जनप्रतिनिधियों से की। कलेक्टर ने नगर पंचायत एवं जनपद क्षेत्र में विकास कार्यों की जानकारी ली। नगर पंचायत कसडोल में कन्या महाविद्यालय के सामने निर्माणाधीन गार्डन के कार्य बंद होने पर संबंधित ठेकेदार पर कार्यवाही करने तथा शेष कार्यो को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश सीएमओ को दिए। जल आवर्धन योजनाओं के तहत नगर में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु पम्प चलाने लगातार विद्युत आपूर्ति के लिए इन्वर्टर खरीदने प्रस्ताव तैयार करने कहा। इसी तरह मिनीमाता स्कूल में जलभराव की समस्या निराकरण के लिए परिषद में प्रस्ताव रखने तथा बलार रोड व सिरपुर रोड में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए परिषद में दोबारा प्रस्ताव रखने कहा।

न्यूज पोर्टल्स के इम्पैनलमेंट हेतु अब 18 जुलाई तक लिए जाएंगे आवेदन

रायपुर (विश्व परिवार)। जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा न्यूज वेबसाईट/न्यूज पोर्टल्स के इम्पैनलमेंट के लिए ऑनलाईन आवेदन की तिथि 18 जुलाई 2024 तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई 2024 निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर 18 जुलाई की गई है। ऑनलाईन आवेदन की नियम एवं शर्तों में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। इच्छुक पात्र वेबसाईट/न्यूज पोर्टल्स अंतिम तिथि 18 जुलाई तक समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाईन आवेदन संचालनालय की वेबसाईट httpsÑ//jansampark.cg.gov.in में जाकर किया जा सकता है। उक्त लिंक को क्लिक करने पर इम्पैनलमेंट की नियम एवं शर्तें देखी जा सकती है।

नियम एवं शर्तों का अध्ययन करने के बाद आवश्यक दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी अटैच कर आवेदन किया जा सकता है।

यात्रियों से अपील- ट्रेनों में अलार्म चेन का दुरुपयोग न करें

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल यात्रियों से अपील करता है कि वे बिना किसी उचित कारण के छोटी-मोटी वजहों से ट्रेनों में अलार्म चेन खींचने से बचें और इसका सहारा केवल आपातकालीन स्थितियों के दौरान ही लिया जाना चाहिए। सुरक्षा या सुरक्षा संबंधी मुद्दों का सामना करने के लिए यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों में अलार्म चेन प्रदान की जाती है ताकि लोको पायलट और ट्रेन के गार्ड का ध्यान आकर्षित किया जा सके और किसी भी अप्रिय घटना घटित होने से रोका जा सके।

बिना उचित और पर्याप्त कारण के अलार्म चेन खींचना भारतीय रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 141 के तहत दंडनीय अपराध है। दंड में एक वर्ष तक कारावास या जुर्माना 1000/- रुपये या दोनों शामिल हैं। अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) पूरे भारत में रेल सेवाओं के विलंबित संचालन के लिए इसे एक प्रमुख कारक माना जाता है। किसी भी रेलगाड़ी के असामान्य रूप से रुकने से न केवल उस विशेष रेलगाड़ी की समयबद्धता प्रभावित होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली सभी रेलगाड़ियों की समयबद्धता भी प्रभावित होती है, साथ ही रेल यात्रियों का बहुमूल्य समय भी बर्बाद होता है। यह देखा गया है कि कई बार ऐसे मामले सामने आते हैं, जब ट्रेन में सवार गैर-यात्री, जो वास्तव में अपने परिजनों को विदा करने आए होते हैं, ट्रेन के रवाना होने से पहले समय पर उतरने में विफल हो जाते हैं, जिससे सह-यात्रियों को असुविधा होती है और साथ ही रेलगाड़ियों की समयबद्धता भी प्रभावित होती है।

रायपुर रेल मंडल में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर संरक्षा सेमिनार का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 10 जुलाई 2024 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन तथा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों के साथ कर्मचारी ट्रेनिंग स्कूल परिचालन/बीएमवाई में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई–

स्पैड से बचाव एवं ऑटोमेटिक सिगनलिंग में कार्य करने के लिए दी जानेवाली प्राधिकार और चालक द्वारा ली जानेवाली सावधानियां, शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां एवं गाडियों का स्टेबलिंग, इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा बरती जानेवाली मानसून संबंधित सावधानियां, स्टेशन कर्मचारी एवं गेटकीपर द्वारा सिग्नल का आदान–प्रदान, हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का विश्लेषण एवं अग्निशामक यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन।

इस संरक्षा सेमिनार में त्रिनाथ मोहंती, संरक्षा सलाहकार/विद्युत, श्री संजीव कुमार सिंह, संरक्षा सलाहकार/इंजीनियरिंग तथा श्री आर. पी. मंडल, ट्रेनिंग स्कूल का प्रशिक्षक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा संगठन/रायपुर मंडल के द्वारा प्रत्येक माह में 02 संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जाता है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरुकता लाई जा सके। उक्त संरक्षा संगोष्ठी में संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर, एवं फील्ड कर्मचारियों को मिलाकर कुल 46 लोगों ने भाग लिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्र. 06, रायपुर (छ.ग.)
-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक 20/न.पा.नि./जोन क्रमांक - 06/2024-25 रायपुर, दिनांक 09/07/2024

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 06 द्वारा निम्न कार्य हेतु निर्धारित SOR (निविदा दिनांक तक संशोधित) पर लोक कर्म विभाग से पंजीकृत ठेकेदारों (ई-रजिस्ट्रेशन "डी" एवं उससे ऊपर) / फर्म एवं संस्था एजेंसी से दो लिफाफा पद्धति के अनुसार (लिफाफा "अ" में निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं "ब" में निविदा प्रपत्र) सील बंद निविदा पृथक-पृथक आमंत्रित की जाती है।

संबंधित कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु **दिनांक 23/07/2024** तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयीन अवधि में जमा किया जा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज **दिनांक 30/07/2024** तक पंजीकृत डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदायें **दिनांक 31/07/2024** को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा आमंत्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार	मद का नाम	अगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	एस.ओ.आर.	समया अवधि
1.	श. पंकज विक्रम वार्ड क्र. 58 अंतर्गत अंबेडकर चौक के पास स्थित रिक्त भूमि में गार्डन निर्माण कार्य।	प्रथम	सामान्य मद	19.04	14300.00	750.00	PWD BUILDING SOR 01-01-2015	5 माह
2.	चन्द्रशेखर आजाद वार्ड क्र. 60 अंतर्गत गोकुल नगर गौठान में शेड निर्माण एवं अन्य मरम्मत कार्य।	प्रथम	सामान्य मद	9.50	7200.00	750.00	PWD BUILDING SOR 01-01-2015	3 माह

-: निविदा से संबंधित अन्य जानकारी व शर्तें :-

⟹ **कार्य के निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है :-**

लिफाफा "अ" में :-
(1) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ.डी.आर (निविदा खोलने तिथि तक वैद्य होना चाहिए) मूलप्रति।
(2) प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता एवं काली सूची में न होने बाबत् शपथ पत्र संलग्न करें। (3) फर्म / एजेंसी के नाम का वैद्य पंजीयन की प्रति।
(4) बैंक साल्वेंसी की प्रति (5) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति (6) 3 वर्षों का ITR एवं निविदा तिथि से 3 माह पूर्व का GSTR की प्रति।

लिफाफा "ब" में :- (1) निविदा प्रपत्र

शर्तें:- (1) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट से स्वीकार की जावेगी। (2) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी। (3) ठेकेदार/फर्म एवं संस्था के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी.एस.टी. विभाग से बकाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (Tax & Clearance Certificate) अथवा पूर्ण देय कर जमा किए जाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक- 06
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./12918/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 10-07-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 12918
वार्ड का नाम- 47 - सिविल लाईन वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR342F0714A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. PRIYA JUMNANI 2. ROHIT JUMNANI 3. SAHIL JUMNANI 4. MONIKA JUMNANI 5. KUNDAN JUMNANI C/O HARISH JUMNANI, LATE ASHOK JUMNANI, LATE BHAJANLAL JUMNANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विनय आहूजा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **कन्हैया आहूजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./12913/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 10-07-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 12913
वार्ड का नाम- 57 - पं. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **57** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR448I0025A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DR. ANITA YADU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DR. NIRAJ YADU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **वरुण यदु** पिता/पति, श्री/श्रीमती **डॉ. नीरज यदु** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./12911/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 10-07-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 12911
वार्ड का नाम- 64 - विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **64** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR449A00140** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HEERA LAL VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JETHU RAM VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. शेख जुनैद मियां 2. निगार अंजुम** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. हाजी शेख अजीम मियां 2. शेख जुनैद मियां** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./12935/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 10-07-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 12935
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652F00316** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BHARTI VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DURGESH VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SARAS SALIL EKKA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O HILARIUS EKKA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /12886/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 08-07-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 12886
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **2** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802G00058** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AGRASEN IRON & STEEL PVT. LTD. DIRE- NILESH KUMAR AGRAWAL S/O PAWAN KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AGRASEN IRON & STEEL PVT. LTD. DIRE- NILESH KUMAR AGRAWAL S/O PAWAN KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RASHMI RAMEDWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH RAMEDWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12959/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 10-07-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 12959
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR220C00080** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **HEMLATA PARMAR, HARSHA GOHIL, JAISHRI CHOUHAN, DEVESH PARMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. KANTILAL MADHAV JI PARMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सुरेश चन्नावार** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. दामोदर राव चन्नावार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12309/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 10-07-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 12309
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445J0241H** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SIMRAN KAUR BATRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **.......** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **INDER BIR BATRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O GURUBAKSH SINGH BATRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **........** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **सेजबहार/ दतरेंगा,** रायपुर स्थित **भवन क्र. एल.आई.जी.-1183, श्रीमती आरती तिवारी पति- श्री हरीश कुमार तिवारी,** निवासी- **एल.आई.जी.-1183, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेजबहार, रायपुर** (छ.ग.), के नाम पर भवन 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा नामांतरित है। नामांतरी द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिनका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को भवन का **फ्री-होल्ड** किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिवस** के अन्दर आपत्ति प्रस्तत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 234 दिनांक 09.07.2024
वार्ड का नाम- मो. अब्दुल रउफ वार्ड
वार्ड क्र. 28 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **28** मांग **पंजी क्र. 372 युआईडी 26050** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **उमा महेश मोहंती/ सन्यासी मोहंती** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **स्वर्णलता महंती/ स्व. उमा महेश्वर महन्ती** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 235 दिनांक 09.07.2024
वार्ड का नाम- मो. अब्दुल रउफ वार्ड
वार्ड क्र. 28 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **28** मांग **पंजी क्र. 339 युआईडी 26017** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **1. अवधेश कुमार जैन/ दीपचंद जैन 2. रेणु गोयल/ रवि गोयल** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **अब्दुल हमीद मंसूरी/ अब्दुल खालिक मंसूरी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 233 दिनांक 09.07.2024
वार्ड का नाम- खूबचंद बघेल वार्ड
वार्ड क्र. 33 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **33** मांग **पंजी क्र. 2 युआईडी 28073** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **मेघबती/ पुरुषोतम देवांगन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ओम प्रकाश देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 242 दिनांक 09.07.2024
वार्ड का नाम- भारत माता वार्ड
वार्ड क्र. 30 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **30** मांग **पंजी क्र. 182 युआईडी 26910** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **नरेन्द्र देवांगन/ गणेश राम देवांगन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **हीरा बाई/ नरेन्द्र देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा वीरसावरकर नगर **हीरापुर कॉलोनी,** रायपुर में निर्मित **CH** भवन योजना के अंतर्गत दुकानों/ भूखण्डों/ भवनों में से भूखण्ड/ भवन क्रमांक **CH-2286 श्री रिंकू सिंग पिता- श्री प्रकाश सिंग** को भाड़ाक्रय/ पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक **05/07/2021** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक **25/05/2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्रीमती परवीन कौर पति- श्री जसबीर सिंह** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिन** के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी **बीरगांव,** रायपुर में निर्मित ...... योजना में से भवन/ भूखण्ड क्र. **SIHSD/14 श्री तपसी कुमार सोनी पिता- बालेश्याम सोनी** को स्ववित्तीय/ एकमुश्त/ ऑफर आधार पर आबंटित/नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा दिनांक **04/12/2018** को लीजडीड/ सेलडीड/ विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन **श्री कुलदीप शर्मा पिता/पति श्री कुन्दन लाल शर्मा** के पक्ष में दिनांक **07/07/2021** को विक्रय कर दिया।

तद्उपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन/ भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र विक्रय विलेख की छायाप्रति, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन/भूखण्ड क्रेता **श्री कुलदीप शर्मा पिता कुन्दन लाल शर्मा** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से **15 दिन** के अन्दर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./11496/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 09-07-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11496
वार्ड का नाम- 67 - भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR663F0482X** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAHUL RAJVAIDHYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY KUMAR RAJVAIDHYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **REENA JHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TAPESH KUMAR JHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख** /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री विमल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /12897/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 10-07-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 12897
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B0781A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUNIL BANJARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TARA CHAND BANJARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SMT. RAJANI DEVI 2. RAJEEV KUMAR RANJAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. RAJEEV KUMAR RANJAN 2. RAJNANDAN SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, गुरूवार 11 जुलाई 2024

जन चौपाल में हुई रीडर की शिकायत, कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल प्रभार से हटाया गया

कलेक्टर ने जनचौपाल में सुनी आमजनों की समस्याएं

श्री राम केंवट का रिकॉर्ड दुरूस्ती कर प्रदान किया गया बी-1 खसरा

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर अजीत वसंत ने आज जन चौपाल में जिले के दूरस्थ क्षेत्रों, वनांचलों से आए लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रकरण अनुसार संबंधित अधिकारियों को आवेदन प्रेषित करते हुए नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में लोगों ने अलग-अलग समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन दिया। जन चौपाल में कुल 68 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर जनचौपाल में आज अपनी समस्या का निराकरण के लिए आए लोगों द्वारा कोरबा तहसील कार्यालय में पदस्थ अतिरिक्त तहसीलदार के वाचक श्री कमलेश मित्रा के संबंध में शिकायत की गई। कलेक्टर श्री वसंत ने इस मामले पर तत्काल संज्ञान लेते हुए रीडर श्री मित्रा को अपने समक्ष तलब किया। कलेक्टर द्वारा प्रकरण के संबंध में किए गए प्रश्नों के संबंध में रीडर द्वारा संतोष जनक जवाब नहीं देने तथा शिकायत की पुष्टि होने पर कलेक्टर ने तहसीलदार कोरबा को रीडर को प्रभार से हटाने के निर्देश दिए। तहसीलदार कोरबा द्वारा कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में श्री मित्रा को तत्काल रीडर के प्रभार से हटा दिया गया है। इसी प्रकार बरपाली तहसील के ग्राम लबेद निवासी श्री राम केंवट द्वारा रिकॉर्ड दुरूस्ती के संबंध में कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर द्वारा तहसीलदार बरपाली को तत्काल आवेदक का रिकॉर्ड दुरूस्ती कर खसरा बी-1 प्रदान करने के निर्देश दिए गए। तहसीलदार बरपाली द्वारा श्रीराम केंवट का नाम रिकॉर्ड में सह खातेदार के रूप में जोड़कर तत्काल रिकॉर्ड दुरूस्ती की कार्यवाही की गई। साथ ही आवेदक को खसरा बी-1 नक्शा सहित प्रदान किया गया। जनचौपाल में नए राशन कार्ड निर्माण/नाम जुड़वाने, अतिक्रमण हटाने, रिकार्ड दुरुस्ती, अभिलेख शुद्धता, नामांतरण, मुआवजा दिलवाने, आरबीसी 6-4 के तहत राहत राशि प्रदान, प्रधानमंत्री आवास, वनाधिकार पट्टा, रोजगार की मांग, नए विद्यालय भवन, सीमांकन कराने तथा छात्रावास/विद्यालय में प्रवेश दिलाने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर आवेदनों का परीक्षण कर शासन के नियमानुसार समय सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनचौपाल में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए जिससे आवेदक को दोबारा जनचौपाल में ना आना पड़े।

जल जीवन मिशन के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

बैठक में कलेक्टर ने पीएचई के कार्यों की समीक्षा की

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक ली। उन्होंने जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल जीवन मिशन के विभिन्न कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी के साथ से लोगों के घरों तक गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों को करने वाले ठेकेदारों से कार्य पूर्ण कराने के पश्चात् ही जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति के सदस्यों के द्वारा कार्यों के सत्यापन के बाद ही भुगतान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों को आधा-अधूरे कार्यों का भुगतान न किया जाए। बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल ग्राम/समूह नल-जल प्रदाय योजना, सोलर पंप आधारित मिनी जल प्रदाय योजना, स्वीकृत योजनाओं में स्त्रोत की अद्यतन स्थिति, जल जीवन मिशन अंतर्गत नल कूप खनन कार्य के निविदाओं का निराकरण, समूह नल जल प्रदाय योजना के तृतीय पक्ष निरीक्षण (टी.पी.आई) कार्य आदि कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

विभागवार लंबित प्रकरणों की समय-सीमा पर निराकरण करें : कलेक्टर विनय कुमार

कोरिया(विश्व परिवार)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समय सीमा पर प्रकरणों का निराकरण करने तथा हाई कोर्ट के प्रकरणों में समय पर जवाब दावा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। आगामी 17 जुलाई को जिले के श्रद्धालु रामलला के दर्शन हेतु जायेंगे। कलेक्टर ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगरीय निकाय के मुख्य नगर पालिका के अधिकारी को 11 जुलाई तक लिस्ट भेजने के निर्देश दिए। समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर लंगेह ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, खाद-बीज, आदि प्रमुख विषयों की समीक्षा की। उन्होंने माननीय हाईकोर्ट से प्राप्त लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। लंगेह ने बैठक में जन चौपाल, पीजी पोर्टल व जन शिकायत पोर्टल में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों का समय-सीमा पर निराकरण करने के निर्देश दिये। आयुष्मान कार्ड निर्माण की समीक्षा करते हुए कि ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड की उपयोगिता की जानकारी देने को कहा। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी से स्कूल जतन योजना के तहत हुए कार्यों का सत्यापन की जानकारी ली तथा अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला बाल विकास के अधिकारी से जर्जर आंगनबाड़ी भवनों की जानकारी लेते हुए अति जर्जर भवनों में आंगनवाड़ी संचालित नहीं करने के निर्देष दिए।

हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी : कलेक्टर

कोरिया(विश्व परिवार)। पेड़ पौधों का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। पर्यावरण संरक्षण में भी यह अहम भूमिका निभाते हैं। पौधारोपण को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में किसान वृक्ष मित्र योजना की शुरुआत की गई है, इससे किसानों की अतिरिक्त आय होगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों की खाली पड़ी जमीनों पर पौधरोपण कर हरियाली लाना है ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ ही प्रदूषण के बढ़ते स्तर को कम किया जा सके। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार ने किसान वृक्ष मित्र योजना की जिम्मेदारी वन विभाग को सौंपी है। आज कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने पौधरोपण के बारे में वन विभाग से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के पौधरोपण जरूरी है। लंगेह ने वन विभाग सहित स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वित रणनीति के तहत वृहद स्तर पर पौधे रोपण कराने के निर्देश दिए। जिला वन मण्डलाधिकारी प्रभाकर खलको ने जानकारी दी है कि जिले में किसानों की खाली पड़ी जमीनों पर पौधरोपण की कवायद शुरू कर दी है। जिले के किसानों को किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत 4 लाख नीलगिरी के पौधे वितरण व रोपने की तैयारी की है। किसान वृक्ष मित्र योजना में प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान रखा गया है ताकि किसानों की अतिरिक्त आय वृद्धि हो सके। पौधे वन विभाग से निशुल्क दिया जाएगा।

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा प्रचार-प्रसार रथ रवाना

महिला नसबंदी हेतु दो हजार तथा पुरूष नसबंदी हेतु तीन हजार रूपए दी जाएगी प्रोत्साहन राशि

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले में परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 24 जुलाई 2024 तक विश्व जनसंख्या दिवस एवं जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देष पर जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा प्रचार-प्रसार रथ को रवाना किया गया है। यह प्रचार रथ जिले के सभी विकासखण्डों में घूमकर परिवार नियोजन के स्थाई तथा अस्थाई साधन के संबंध में जागरूकता प्रदान करेगा। सीएमएचओ ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा के दौरान ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक विषेष अभियान चलाकर पुरूष एवं महिला नसबंदी के प्रति फैली अज्ञानता व भ्रांतियों को दूर कर परिवार नियोजन के महत्व के बारे में जनता को जागरूक किया जा रहा है। इस पखवाड़े में लक्ष्य दंपतियों को उसकी पसंद के अनुसार परिवार नियोजन के अस्थाई साधन, जिला चिकित्सालय तथा विकासखण्डों में पुरूष एवं महिला नसबंदी शिविर का आयोजन षामिल है। उन्होंने बताया कि सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में परिवार नियोजन के साधन निशुल्क उपलब्ध हैं इसमें पुरुष एवं महिला नसबंदी, निरोध, गर्भनिरोधक गोली, अंतर इंजेक्शन, कॉपर टी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। नसबंदी उपरांत हितग्राहियों को महिला नसबंदी हेतु 2000 तथा पुरूष नसबंदी हेतु 3000 प्रोत्साहन राशि दिया जाएगा।

पुलिस ने बलवा की स्थिति से निपटने किया मॉकड्रिल

पुलिस लाईन जशपुर में दंगाईयों पर गोली चलने से 3 व्यक्ति गंभीर रूप से हुए घायल, घायलों को पहुंचाया गया अस्पताल

जशपुर(विश्व परिवार)। आकस्मिक परिस्थितियों एवं दंगाईयों से निपटने के लिये आज रक्षित केन्द्र जशपुर में बलवा ड्रिल का मॉक अभ्यास किया गया, उक्त अभ्यास कार्यवाही में पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारीगण सहित तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार भी उपस्थित रहे। बलवा ड्रिल अभ्यास कार्यवाही की पूरी प्लानिंग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल सोनी द्वारा तैयार किया गया एवं रक्षित निरीक्षक श्री अमरजीत खूंटे द्वारा व्यवहारिक रूप में परिवर्तित किया गया। बलवा ड्रिल में कमांडर के रूप में उप निरीक्षक खोमराज ठाकुर एवं मजिस्ट्रेट के रूप में स.उ.नि. रामनाथ राम को तैनात किया गया था। पुलिस की विभिन्न टोलियों को श्रमिक यूनियन इत्यादि में विभक्त किया गया था, जो अपनी विभिन्न मांगो को लेकर अत्याचार बंद करो, शोषण बंद करें एवं हमारी मांगे पूरी करो कहते हुये नारेबाजी कर हिंसक प्रदर्शन कर रहे थे, उन्हें सर्वप्रथम मजिस्ट्रेट द्वारा समझाईस दिया गया कि उनकी मांगो पर विचार किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों द्वारा नहीं मानने पर वे पुलिस द्वारा लगाये बेरिकेड को तोड़ते हुये आगे बढ़ गये एवं जमकर तोड़-फोड़ कर रहे थे, इसी दौरान परिस्थिति बिगड़ता देख मजिस्ट्रेट के आदेश पर भीड़ को तीतर-बीतर करने के लिये अश्रु गैस के गोले छोड़े गये जिससे भीड़ कुछ समय के लिये तीतर-बीतर हुआ, भीड़ पुन: और आक्रामक होकर नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से आगे बढ़ रहा था, जिस पर परस्थिति गंभीर एवं जान-माल के नुकसान होने की पूरी संभावना होने पर मजिस्ट्रेट के आदेश पर पुलिस की हथियार से लैस टीम आगे बढ़ी और चिन्हित कर दंगाईयों के मुख्य कमांडर, सदस्य सहित कुल 03 लोगों के उपर गोली चलाई गई। गोली चलाने से 03 लोग घायल हुये उन्हें स्वास्थ्य विभाग की टीम एंबुलेंस में डालकर ईलाज हेतु ले गई। उक्त बलवा ड्रिल अभ्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुये पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह ने कहा कि सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन की है। भविष्य में कानून व्यवस्था या ऐसी परिस्थिति निर्मित होती है तो यही अभ्यास काम आयेगा। अश्रु गैस का उपयोग करने से भीड़ पर नियंत्रण पाया जा सकता है, बेरिकेड टूटने पर फोर्स हिंसक प्रदर्शन को कैसे रोकता है, बैरिकेड तोड़ते समय पर कैसे निपटना है इसको बारीकी से बताया गया। इस दौरान पुलिस को क्या-क्या सावधानियां बरतनी चाहिये और किस क्रम में बल का प्रयोग करना चाहिये, बल प्रयोग करने का तरीका क्या होगा इस संबंध में भी पुलिस अधीक्षक द्वारा बारीकी से प्रशिक्षण देकर बताया गया। इस दौरान पुलिस की क्या कमियां थी उसे नोटिस कर दूर करने हेतु उपस्थित अधिकारियो /कर्मचारियों को बताया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री अनिल सोनी द्वारा उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों को बलवा ड्रिल अभ्यास की उपयोगिता एवं महत्व को बताया गया, अभ्यास किये रहने से परिस्थिति बिगड़ने पर या कानून व्यवस्था निर्मित होने पर उसका सामना कैसे किया जाए इसके लिए पुलिस को हमेशा तैयार रहना चाहिए एवं किस प्रकार नियंत्रित करना है वह भी आना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

पटवारी का रिश्वत लेते विडियो वायरल

कवर्धा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में रिश्वत लेते पटवारी का वीडियो सामने आया है। वायरल होने के बाद पटवारी को एसडीएम ने सस्पेंड कर दिया है। वीडियो में पटवारी घनश्याम मरावी नोट गिनते नजर आ रहा है। कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम ने कार्रवाई की है। वीडियो सोमवार का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पंडरिया विकासखंड के हल्का नंबर 15 चतरी में पदस्थ पटवारी घनश्याम मरावी ने बंटवारा नामा और पट्टा बनाने के एवज में किसान से 10 हजार की रिश्वत की मांग की थी। जिसके बाद पीड़ित किसान पटवारी सोमवार को रुपए देने पहुंचा था। रुपए लेने के दौरान किसी ने वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसकी जानकारी कबीरधाम कलेक्टर जनमेजय महोबे के पास पहुंची। जिसके बाद एसडीएम संदीप ठाकुर को जांच के निर्देश दिए। एसडीएम ने जांच में शिकायत को सही पाया, जिसके बाद पटवारी घनश्याम मरावी को निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि के दौरान अमरपुर के पटवारी भागवत राज को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

आर्यावर्त ब्राह्मण महिला समाज की सदस्यों द्वारा पौधारोपण

कोरबा(विश्व परिवार)। आर्यावर्त ब्राह्मण महिला समाज की सदस्यों द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम और छाता वितरण कार्यक्रम किया गया । जमनीपाली के सेमीपाली हाउसिंग बोर्ड के नवनिर्मित सर्वेश्वर मंदिर प्रांगण में सर्वप्रथम सभी सदस्यो ने पौधारोपण किया गया। इस पौधारोपण कार्यक्रम में विभिन्न पौधे मंदार के पौधे , ब्रह्म कमल का पौधा, रामफ्ल का पेड़, सिंदूर का पेड़, पान के पौधे, अशोक का पेड़ , मीठा नीम का पेड़ , तुलसी, लक्ष्मी कमल का पौधा रोपण किया गया । इसके साथ बस्ती में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को 20 छाते का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में आर्यावर्त ब्राह्मण समाज की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री नायक, उपाध्यक्ष श्रीमती नीलम शुक्ला, सचिव श्रीमती अंजना दुबे, सह सचिव श्रीमती संगीता गिरी, कोषाध्यक्ष श्रीमती ज्योति शर्मा, सांस्कृतिक सचिव अनुराधा दुबे उपस्थित थे। इसके साथ ही समिति के सदस्य श्रीमती कामिनी शर्मा ,श्रीमती रंजना पांडे, श्रीमती सुनीता पांडे, श्रीमती सुशील दुबे ने मिलकर कार्यक्रम को सफ्लतापूर्वक संचालित किया।

काम्प्लेक्स की छत से अज्ञात युवक ने लगाई छलांग

कोरबा(विश्व परिवार)। शहर के घंटाघर स्थित व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स में बड़ी घटना घटित हुई है। यहां 3 मंजिला व्यवसायिक काम्प्लेक्स के छत से एक अज्ञात युवक ने छलांग लगाकर इहलीला समाप्त कर ली। युवक के गले पर कटने के निशान है । घटना स्थल पर एक ब्लेड मिला है । घटना हत्या है या आत्महत्या पुलिस इसकी जांच में जुटी है। युवक के इस आत्मघाती कदम उठाए जाने से मौके पर अफ्रा तफ्री की स्थिति देखी जा रही है। फ्लिहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार कोरबा में सिविल लाईन थाना अंतर्गत घंटाघर कॉम्प्लेक्स से छलांग लगाकार एक युवक ने आत्महत्या का प्रयास किया। इससे पहले युवक द्वारा ब्लेड से गला रेतने की बात कही जा रही । फिर 3 मंजिला इमारत से छलांग लगा दी। जमीन पर गिरते वह खून से लथपथ हो गया। युवक कौन है और कहां का रहने वाला इस संबंध में किसी तरह की जानकारी नहीं मिल सकी है। सूचना मिलते ही 108 संजीवनी एक्सप्रेस की टीम मौके पर पहुंची और युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया। सूचना मिलने के बाद सिविल लाईन पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। फ्लिहाल युवक की शिनाख्ती का प्रयास किया जा रहा है,जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पहला सावन सोमवार को लेकर तैयारी में जुटे भगवान शिव के भक्त

बिलासपुर(विश्व परिवार) । सावन का महीना भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने के लिए समर्पित होता है। सावन का महीना भोलेनाथ को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद पाने के लिए उत्तम माना गया है। बिलासपुरवासी प्रतिवर्ष भगवान शिव की भक्ति में लीन होकर इस महाउत्सव में शामिल होते हैं। इस साल 22 जुलाई को पहला सावन सोमवार मनाया जाएगा। शिव मंदिर शंकर नगर के पुजारी पंडित रमेश तिवारी का कहना है कि 22 जुलाई से सावन का पहला सोमवार मनाया जाएगा। सावन का समापन 19 अगस्त को होगा। इस साल चार के बजाए पांच सावन सोमवार होंगे। बिलासपुर के प्रसिद्ध शिवालयों में सावन के दौरान भक्तों की भीड़ उमड़ेगी। शिव भक्त विशेष रूप से बिलासपुर के शिवालयों में जाकर पूजा-अर्चना करेंगे। यहां भक्तों के लिए विशेष आयोजन किए जाएंगे, जिसमें भजन-कीर्तन और रुद्राभिषेक शामिल हैं।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, गुरूवार 11 जुलाई 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

यूएमएल का नेपाली कांग्रेस के साथ नया गठबंधन हुआ

नेपाल में पिछले तीन-चार दिनों में जो राजनीतिक घटनाक्रम हुए उनके नतीजे सोमवार की आधी रात को सामने आए। इस नाटकीय घटनाक्रम में सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार में शामिल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) ने नेपाली कांग्रेस के साथ नया गठबंधन बनाने को लेकर समझौता कर लिया। समझौते के तहत कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा बारी-बारी से सरकार का नेतृत्व करेंगे। इन दोनों नेताओं ने सरकार बनाने के संबंध में अर्धरात्रि को जो समझौता किया इससे जाहिर होता है कि वे दिन के उजाले में नेपाल की समकालीन राजनीति के साथ फरेब वाला समझौता करने से भयभीत थे। देश की दो बड़ी राजनीतिक पार्टियां और उनके दो कद्दावर नेताओं ने नई गठबंधन सरकार बनाने को लेकर जिस तरह का निर्णय लिया वह नेपाल की लोकतांत्रिक राजनीति को ढलान की ओर ले जाता है। संविधान और लोकतंत्र के नाम पर किए गए इस राजनीतिक समझौते से देश का राजनीतिक भविष्य एक बार फिर अनिश्चितता की ओर बढ़ रहा है। समझौते के मुताबिक, पहले ओली डेढ़ साल के लिए प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे और उसके बाद देउबा के लिए अपना पद छोड़ेंगे। लेकिन नेपाल के राजनीतिक उतार-चढ़ाव को देखकर कहना मुश्किल है कि ओली समझौते के मुताबिक अपने वादे को निभाएंगे। ओली और देउबा के बीच में सत्ता के लिए जो समझौता हुआ है, वह कितने दिन तक चल पाएगा अभी से कहना मुश्किल है क्योंकि दोनों नेता जिन दलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, वे वैचारिक रूप से धुर विरोधी हैं। इसलिए कहा जाना चाहिए कि कपड़ों की तरह गठबंधन का सहयोगी बदलने के पीछे कोई सिद्धांत नहीं, बल्कि सत्ता की चाह काम करती है। हालांकि सत्ता के इस उलटफेर के भी कुछ सकारात्मक संदेश हैं। नेपाली संसद की कुल 275 सीटों में से 88 नेपाली कांग्रेस और 79 सीटें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के पास हैं। मात्र 32 सीटें वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) के नेता प्रचंड जोड़-तोड़ करके प्रधानमंत्री बन जाते हैं।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 57वे दीक्षा दिवस पर विशेष 11 जुलाई

सदी के महानतम अद्भुत संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज

-डॉ. सुनील जैन

अध्यात्म सरोवर के राजहंस, साधना के सुमेरू, संत शिरोमणि, महाकवि आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर जी महाराज दिगम्बर जैन परंपरा के ऐसे महान संत थे, जो सही मायने में साधना, ज्ञान, ध्यान व तपस्यारत होकर आत्मकल्याण के मार्ग पर सतत अग्रसर रहे। वे पंचमकाल में चतुर्थकाल सम संत थे। महाप्रज्ञ आचार्यश्री की तपस्तेज सम्पन्न एवं प्रसन्न मुख मुद्रा प्रायः सभी का मन मोह लेती थी।

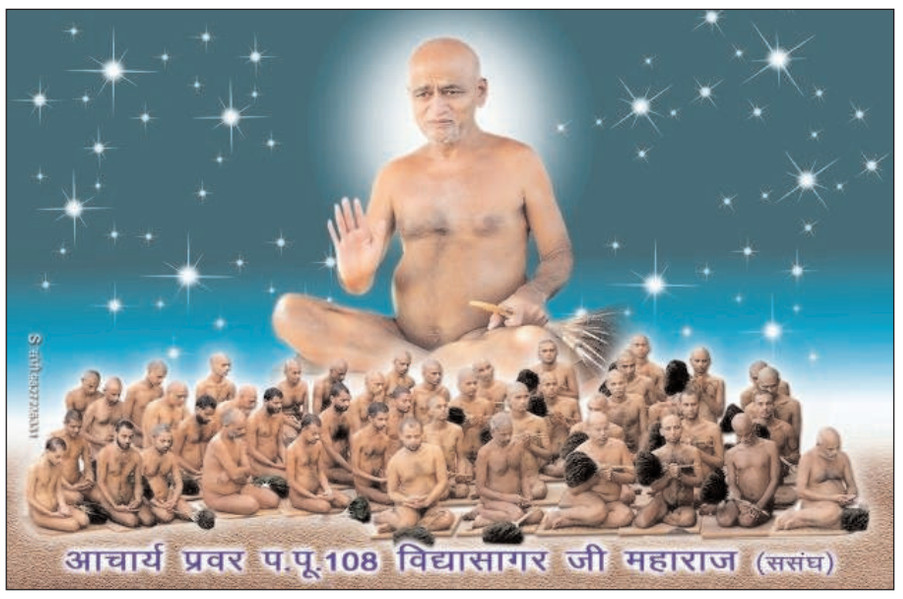

वे न केवल श्रमण संस्कृति के दैदीप्यमान नक्षत्र थे बल्कि पूरी भारतीय संस्कृति को उन्होंने अपनी साधना के द्वारा गौरवान्वित किया । आचार्यश्री की पावन वाणी सत्यं, शिवं सुन्दरं की विराट अभिव्यक्ति तथा मुक्ति द्वार खोलने में सर्वथा सक्षम थी। उन्होंने अपनी अनवरत साधना से जीवन की कलात्मकता को भारतीय संस्कृति के अनुरूप अभिव्यक्त किया । आचार्यश्री अपनी आगमोक्त चर्या और आध्यात्मिक चिंतन के द्वारा निरंतर आत्मसाधना व प्रभावना में संलग्न रहे। आप श्रमण परंपरा के विलक्षण और तपस्वी संत थे। आपने समाज और संस्कृति को एक नई दिशा दिखाई थी।आचार्यश्री मात्र जैनों के ही नहीं जन-जन की आस्था के केंद्र थे। इनकी प्रेरणा से हजारों गौवंश की रक्षार्थ दयोदय गौशालाएं संचालित हो रही हैं। हिंदी भाषा अभियान,इंडिया हटाओ भारत लाओ अभियान, हथकरघा, स्वावलंबन रोजगार, स्वदेशी शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृत, हिंदी ,अंग्रेजी का बेजोड़ साहित्य, हाइकू तथा 507 चेतन कृतियों का निर्माण आदि उनकी श्रेष्ठतम साधना उन्हें संत शिरोमणि कहलाने के लिए काफी है। आचार्यश्री का व्यक्तित्व अत्यंत गंभीर था, रत्नत्रय के धारी मोक्षमार्ग के पथिक थे। वे साधना के हिमालय थे। वे सत्य की साधना के साथ प्रयोग करते रहे। आचार्यश्री को पाकर लगता था कि न जाने कितने जन्मों का पुण्य आज फलित हो रहा है। आचार्यश्री चलते फिरते तीर्थ और विश्वविद्यालय थे। उनके तेज दमकते हुए आभामंडल और मुस्कान को देखकर हजारों लोगों के दुख दूर हो जाते थे। उनके दर्शन जो भी करता था वह धन्य हो जाता था। उनकी दिव्य देशना में जो अमृतवाणी झरती थी उसे पान कर हजारों लोगों की प्यास बुझती थी। आचार्यश्री की हर चर्या अतिशय-सी दिखती थी। उनकी मंगल वाणी खिरते समय जो शांति का अमृत बरसता था, चारों ओर एक अजीब-सा सन्नाटा, मात्र आचार्यश्री की वाणी अनुगूंज सुनायी देती थी। सचमुच अद्भुत और निराले संत थे आचार्यश्री। बेमिशाल, अद्भुत विराट व्यक्तित्व एवं कृतित्व के धनी आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज जैसे संत शताब्दियों में होते हैं। उनके जाने से जो शून्यता हुई है उसकी भरपायी संभव नहीं है। वे स्वयं अपने आप में एक दर्शन थे। आचार्यश्री देह रूप में हमारे बीच नहीं है । अब हमारा दायित्व बनता है कि आचार्यश्री के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लें। कुछ कार्य ,जो होना चाहिए वह हैं- मेरा अनुरोध है जल्द ही एक विस्तृत आचार्य विद्यासागर विनयांजलि ग्रंथ निकाला जाए जो ऐतिहासिक दस्तावेज होगा। इसमें सभी जैन जैनेतर संतों के साथ सभी राजनेताओं के लेख, विचार, तथा विधानसभा, लोकसभा आदि में हुई श्रद्धांजलि कार्यक्रम आदि की डिटेल अवश्य दी जाय ताकि ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में आगे काम आ सके। कुंडलपुर में आचार्यश्री के नाम से विश्विद्यालय खोला जाय उसमें आचार्यश्री के ग्रंथों पर अनुसंधान हो। आचार्यश्री के नाम पर सरकारी भवनों, मार्गो, ट्रेनों, बस स्टेण्ड, अस्पताल आदि के नाम हों इसके प्रयास किए जाय। आचार्यश्री के साहित्य को सरकारी पाठ्यक्रमों में शामिल करने के प्रयास हों। आचार्यश्री के नाम पर शोध संस्थान सरकारों द्वारा स्थापित हों, उनके नाम पर सरकारों द्वारा पुरस्कार दिए जाएं। पट्टाचार्य पद पर पूज्य आचार्यश्री की भावनानुसार परम पूज्य मुनि श्री समयसागर जी महाराज को 16 अप्रैल को कुंडलपुर में विधि विधान के साथ विराजमान किया गया है। निश्चित ही अब परम पूज्य आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के मार्गदर्शन, निर्देशन में आचार्यश्री के अधूरे कार्य पूरे होंगे। उनकी कमी समाज को, इस भारत को निश्चित रूप से खलेगी। इस भारत के लिए तो रत्न के समान थे, उनकी वाणी व उपस्थिति सदा रहेगी और हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। उनके संदेश, आदेश, बताये हुए मार्ग पर चलना, ये हम सब का कर्तव्य है। उनके जीवन का अनुभव व ज्ञान सदा भारतवासियों के बीच में रहेगा । विश्व को उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करना चाहिए। अंतिम श्वांस तक उन्होंने अपने कठोर साधनाव्रत का निर्वाह किया. लाखों लोग उन आदर्शों पर आज चल रहे हैं. उनके चले जाने का दुःख तो सभी को होना स्वाभाविक ही है. उनके द्वारा दिग्दर्शित इस मार्ग पर हम सभी लोग और अधिक दृढ़ता और समर्पित भाव से निरंतर आगे बढ़ते रहें तथा उन आदर्शों को तीव्र गति प्रदान करें। परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के विचार प्रकाश स्तंभ बनकर सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। दीक्षा दिवस पर कोटिशः नमन !

विशेष लेख

सोशल मीडिया पर बाबाओं का विवाद

विनीत नारायण

जब से सोशल मीडिया का प्रभाव तेजी से व्यापक हुआ है, तब से समाज का हर वर्ग यहां तक कि गृहणियां भी 24 घंटे सोशल मीडिया पर हर समय छाए रहते हैं। इसके दुष्परिणामों पर काफी ज्ञान उपलब्ध है। सलाह दी जाती है कि यदि आपको अपने परिवार या मित्रों से संबंध बनाए रखना है, अपना बौद्धिक विकास करना है और स्वस्थ और शांत जीवन जीना है तो आप सोशल मीडिया से दूर रहें या इसका प्रयोग सीमित मात्रा में करें। पर विडंबना देखिए कि समाज को संयत और सुखी जीवन जीने का और माया मोह से दूर रहने का दिन-रात उपदेश देने वाले संत और भागवताचार्य आजकल स्वयं ही सोशल मीडिया के जंजाल में कूद पड़े हैं। विशेषकर ब्रज में ये प्रवृत्ति तेजी से फैलती जा रही है। पिछले ही दिनों वृंदावन के विरक्त संत प्रेमानंद महाराज और प्रदीप मिश्रा के बीच सोशल मीडिया पर श्री राधा तत्व को लेकर भयंकर विवाद चला। ऐसे ही पिछले दिनों वृंदावन में नवस्थापित भगवताचार्य अनिरुद्धाचार्य के वक्तव्य भी विवादों में रहे। इसी बीच बरसाना के विरक्त संत श्री रमेश बाबा द्वारा लीला के मंचन में राधा स्वरूप धारण कर बालाकृष्ण से पैर दबवाने पर विवाद हुआ। ये सब ब्रज की विभूतियां हैं। हर एक के चाहने वाले भक्त लाखों-करोड़ों की संख्या में हैं। जैसे ही कोई विवाद पैदा होता है, इनका चेला समुदाय भी सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय हो जाता है। ठीक वैसे ही राजनैतिक दलों की ट्रोल आर्मी, जो बात का बतंगड़ बनाने में मशहूर है, सक्रिय हो जाती है। यह सब सोशल मीडिया में अपनी पहचान बनाने का एक तरीका बन गया है। अब प्रेमानंद जी वाले विवाद को ही लीजिए, कितने ही कम मशहूर भागवताचार्य भी इस विवाद में कूद पड़े जिनके फॉलोवर्स चार-पांच सौ ही थे पर जैसे ही वे इस विवाद में कूदे तो उनकी संख्या 20 हजार पार कर गई यानी बयानबाजी भी फायदे का सौदा है। परंपरा से शास्त्र ज्ञान का आदान-प्रदान गुरुओं द्वारा निर्जन स्थलों पर किया जाता था जहां जिज्ञासु अपने प्रश्न लेकर जाता था और गुरु की सेवा कर ज्ञान प्राप्त करता था। यही पद्धति भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को बताई थी। भगवद् गीता के चौथे अध्याय का चौंतीसवां श्लोक इसी बात को स्पष्ट करता है। 'तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया। उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिन:।।4.34।।' परंतु सोशल मीडिया ने आकर ऐसी सारी सीमाओं को तोड़ दिया है। अब धर्मगुरु चाहें न चाहें पर उनके शिष्य, उनके प्रवचनों का सोशल मीडिया पर प्रसारण करने को बेताब रहते हैं और फिर अलग-अलग गुरु ओं के शिष्य समूहों में आपसी प्रतिद्वंद्विता चलती है कि किस गुरु के कितने चेले या श्रोता हैं। जिस संत के फॉलोवर्स की संख्या लाखों में होती है उन पर टिप्पणी करना या उन्हें विवाद में घसीटना लाभ का सौदा माना जाता है क्योंकि वैसे तो ऐसा विवाद खड़ा करने वालों की कोई फॉलोइंग होती नहीं है। पर इस तरह उन्हें बहुत बड़ी तादाद में फॉलोवर और लोकप्रियता मिल जाती है। मतलब यह कि आप में योग्यता है कि नहीं, पात्रता है कि नहीं, आपको उस विषय का ज्ञान है कि नहीं, इसका कोई संकोच नहीं किया जाता। केवल सस्ती लोकप्रियता पाने के लालच में बड़े बड़े संतों के साथ नाहक विवाद खड़ा किया जाता है। आजकल ऐसे विवादों की भरमार हो गई है। वैसे तो तकनीकी के हमले को कोई चाह कर भी नहीं रोक सकता। पर कभी-कभी इंसान को लगता है कि उसने भयंकर भूल कर दी। 2003 की बात है जब मैंने बरसाना (मथुरा) के विरक्त संत श्री रमेश बाबा के प्रवचन नियमित रूप से हर सप्ताह बरसाना जा कर सुनना शुरू किया, बाबा की भक्ति और सरलता ने मुझे बहुत प्रभावित किया और मुझे लगा कि बाबा के प्रवचन पूरी दुनिया के कृष्ण भक्तों तक पहुंचने चाहिए। तब ऐसा होना टीवी चैनल के माध्यम से ही संभव था क्योंकि तब तक सोशल मीडिया इतना लोकप्रिय नहीं हुआ था। मैंने इसके लिए प्रयास करके श्री मान मंदिर में टीवी रिकॉर्डिंग स्टूडियो की स्थापना कर दी। उस दौर में मान मंदिर के विरक्त साधुओं ने मेरा कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि बाबा की बात अगर इस तरह प्रसारित की जाएगी तो बरसाना में कलियुग का प्रवेश कोई रोक नहीं पाएगा पर बाबा ने मुझे अनुमति दी तो काम शुरू हो गया। इसका लाभ मान मंदिर को यह हुआ कि उसके भक्तों की संख्या में देश-विदेश में तेजी से बढ़ोतरी हुई और वहां धन की वष्रा होने लगी। तब मुझे विरोध करने वाले अव्यावहारिक प्रतीत होते थे।

विपक्ष की रणनीति सरकार को झकझोर करना

अवधेश कुमार

18 वीं लोक सभा के अध्यक्ष के निर्वाचन के दौरान और उसके बाद का दृश्य निश्चित रूप से देश को एक हद तक राहत देने वाला था। आक्रामक मोर्चाबंदी के बाद विपक्ष ने संसद में मत विभाजन की मांग नहीं की। इस कारण ओम बिरला का दूसरी बार लोकसभाध्यक्ष के रूप में निर्वाचन प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हुआ। विपक्ष अपने पूर्व के तेवर के अनुरूप यदि के. सुरेश और ओम बिरला के बीच मतदान पर अड़ता तो तस्वीर दूसरी होती। हालांकि संख्या बल के आधार पर ओम बिरला का निर्वाचन निश्चित था, लेकिन विपक्ष भी ताकत दिखाना चाहता था। वास्तव में 18वीं लोक सभा में शपथ ग्रहण के समय से विपक्ष का तेवर बता रहा है कि वह सरकार को आसानी से काम करने देने की मनःस्थिति में नहीं है। आईएनडीआईए के सारे सांसद गांधी जी की प्रतिमा के पुराने स्थल से हाथों में संविधान की प्रति लिए जिस तरह नारा लगाते आगे बढ़े वह चिंतित करने वाला दृश्य था। कम से कम सांसदों के शपथ ग्रहण के अवसर को प्रदर्शनों से दूर रखा जा सकता था। सरकार ने अभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है जिसके लिए विपक्ष को इस तरह विरोध की एकजुटता प्रदर्शित करनी पड़े। विरोध के लिए आगे पूरा अवसर बना हुआ है। संसद में बजट आना है और भी कई विधेयक आने वाले हैं, उन सब पर विपक्ष अपना तेवर दिखा सकता था, दिखाएगा भी। इसी तरह स्वयं विपक्ष का अपना एजेंडा है जो समय-समय पर संसदीय नियमों का लाभ उठाते हुए प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा। 18वीं लोक सभा की शुरूआत में विपक्ष ने अपनी रणनीति के तहत ही आक्रामक चरित्र प्रदर्शित किया है। पहले भर्तृहरि मेहताब को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने का विरोध हुआ। कांग्रेस ने यह भी कह दिया कि उनकी पार्टी मेहताब को सहयोग नहीं करेगी। उससे भय पैदा हुआ लेकिन सभी कांग्रेसी सांसदों ने अंततः मेहताब की अध्यक्षता में ही शपथ ग्रहण किया। इसके पूर्व कभी प्रोटेम स्पीकर को लेकर इस तरह विरोध हुआ हो इसके रिकॉर्ड अभी तक सामने नहीं आए हैं। कांग्रेस की मांग थी कि के. सुरेश आठ बार के सांसद हैं। इसलिए उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाना चाहिए। सरकार का कहना था कि के. सुरेश एक बार सांसद नहीं रहे हैं जबकि मेहताब लगातार सात बार सांसद रहे हैं। यह विषय असहमति का है। संविधान में कहीं इसका उल्लेख नहीं है कि प्रोटेम स्पीकर किसे बनाया जाए। उसके बाद से विपक्ष ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि वह लोक सभा चुनाव के दौरान उठाए गए मुद्दों और अपनाए तेवरों से पीछे हट रहा है। आप ओम बिरला के लोकसभाध्यक्ष बनने के बाद दिए गए विपक्ष के नेताओं के भाषणों को देखिए तो काफी कुछ स्पष्ट हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि आपके नेतृत्व में संविधान की रक्षा होगी। आप विपक्ष को पूरी तरह बोलने का अवसर देंगे जिससे आम जन की आवाज संसद में आ सके'। उन्होंने पूर्व लोक सभा में सांसदों के निलंबन पर भी कटाक्ष किया। ठीक इसी तरह सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी लोकसभाध्यक्ष पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, 'आप सत्ता पक्ष को तो मौका देते ही हैं, लेकिन अब उम्मीद है कि विपक्ष को भी अवसर देंगे'। फिर उन्होंने भी भविष्य में सांसदों के निलंबन न होने की उम्मीद जताई। इसी तरह तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय एवं अन्य नेताओं के भाषण अध्यक्ष को भी दलीय राजनीति में घसीटने और उनको कठघरे में खड़ा करने वाले ही थे। अध्यक्ष के निर्वाचन के बाद सभी उन्हें धन्यवाद देते हैं, उनकी प्रशंसा करते हैं, और उनकी अध्यक्षता में संसद के संचालन में सहयोग करने का वादा करते हुए शुभकामना भी देते हैं। विपक्ष के भाषण में ये विषय थे किंतु उनकी धारा बिल्कुल अलग थी। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संयुक्त सत्र के अभिभाषण को लेकर भी विपक्ष ने सरकार के साथ सहयोग या सहकार वाली भूमिका का संदेश नहीं दिया। आम आदमी पार्टी द्वारा अभिभाषण का बहिष्कार तथा शिवसेना उद्धव ठाकरे द्वारा समर्थन बताता है कि संसद को लेकर विपक्ष की राजनीति किस दिशा में जाने वाली है। शिवसेना-उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राउत में कहा कि बहिष्कार बिल्कुल ठीक है? सरकार तानाशाही भरा रवैया अपनाती है और उसमें राष्ट्रपति का भी योगदान है। राष्ट्रपति को दलीय राजनीति में घसीटना अन्य सभी घटनाक्रम से ज्यादा चिंतित करने वाला है। राष्ट्रपति देश के अभिभावक के तौर पर स्वीकार किए जाते हैं। हमारे देश में राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख हैं पर उन्हें मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार ही भूमिका निभानी पड़ती है। बावजूद विपक्ष राष्ट्रपति पर इस तरह के हमले से बचता रहा है। आपातकाल के दौरान फखरुद्दीन अली अहमद की भूमिका को छोड़ दें तो अभी तक संजय राउत की तरह राष्ट्रपति की आलोचना करने जैसा वक्तव्य सामने नहीं आया था। फखरु द्दीन अली अहमद के विरु द्ध भी विपक्ष को बोलने का मौका नहीं मिला था क्योंकि सभी जेल में डाल दिए गए थे। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद कांग्रेस सहित सभी विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रियाएं देखें तो वे सरकार पर पूरी तरह हमलावर हैं। वैसे राष्ट्रपति अभिभाषण द्वारा सरकार ने भी स्पष्ट कर दिया कि वह अपनी पूर्व नीतियों पर ही आगे बढ़ने वाली है यानी विपक्ष का कोई दबाव उसे अपने रास्ते से पीछे हटने या मुड़ने के लिए विवश नहीं कर सकता। वह हमले का जवाब प्रति हमले से देगी। वस्तुतः विपक्ष का आकलन है कि संविधान खत्म करने, आरक्षण खत्म करने और अन्य प्रकार के प्रधानमंत्री मोदी और सरकार विरोधी तेवरों से उन्हें चुनाव में लाभ मिला है। इसे आगे बनाए रखा गया तो वे सरकार को सत्ता से हटाने में सफल होंगे। विपक्ष की रणनीति बिल्कुल साफ है। देश में सरकार के हर समय अस्थिर होने का संदेश देना, इससे लगातार टकराव करते रहना, आरोप लगाते रहना तथा जब भी मौका आए सरकार को झकझोर कर गिराने का प्रयास करना। साफ है कि सरकार भी ईट का जवाब पत्थर से देने का संदेश दे रही है। इसमें हमें संसद के सुचारू रूप से संचालन या भविष्य में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राष्ट्र और जनता के हितों को लेकर स्वाभाविक सहयोग और समन्वय की कल्पना नहीं करनी चाहिए।

भारतीय पुरुषों का ही दबदबा नहीं महिलाएं भी कदमताल

संदीप भूषण

ऐतिहासिक घटनाओं के लिहाज से 30 जून बेहद महत्त्वपूर्ण तारीख है। दुनिया में खेल के माध्यम से सद्भाव कायम करने वाली सबसे बड़ी संस्था अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना इसी दिन हुई थी। बात भारतीय खेल जगत के नजरिए से करें तो यह तारीख और भी अहम हो जाती है। बीती 30 जून को भारतीय क्रिकेट इतिहास में दो बड़ी घटनाएं हुई। एक तरफ टी 20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर भारतीय पुरु ष टीम ने 13 वर्ष का खिताबी सूखा समाप्त किया तो वहीं दूसरी तरफ, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट में दस विकेट से हरा दिया। तर्क दिया जा सकता है कि दोनों मुकाबले का स्तर अलग था, लेकिन खिलाड़ियों का जज्बे और जुनून में कोई फर्क नहीं था। पुरु ष टीम की जीत से भारत को विश्व कप मिला तो महिला टीम की जीत ने बता दिया कि क्रिकेट के मैदान पर सिर्फ भारतीय पुरु षों का ही दबदबा नहीं है, महिलाएं भी उनसे कदमताल कर रही हैं। महिला टीम की बड़ी जीत से कई संदेश निकले जो क्रिकेट में भारतीय महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर पेश करते हैं। पिछली बार नवम्बर, 2014 में भारतीय टीम ने जब दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू मैदान पर टेस्ट खेला था, तब मिताली राज कप्तान थीं। हरमनप्रीत कौर भी इस टेस्ट का हिस्सा थीं। यह मैच तो भारत ने जीत लिया था लेकिन तब किसी को इल्म नहीं था कि 17 रन बनाने वाली हरमनप्रीत की कप्तानी में एक दिन अफ्रीकी टीम को इतनी बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। यह भी तथ्य है कि तब महिला टीम को लेकर भविष्य की तस्वीर धुंधली नजर आती थी। लेकिन बीते एक दशक के दौरान महिला क्रिकेट

खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सबको हैरान कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भारत ने एकतरफा दबदबा बना कर रखा था। इसकी शुरु आत शेफाली के धमाकेदार दोहरे शतक और मंधाना के शतक से हुई। इसके बाद गेंदबाजों ने अफ्रीकी खिलाड़ियों पर शिंकजा कसा। खासकर स्नेह राणा के 10 विकेट ने मैच ही पलट दिया। टी 20 विश्व कप के शोर में भले ही इस मैच को दर्शक कम मिले लेकिन महिला क्रिकेटरों का जुनून देखते ही बन रहा था। इससे पहले महिला टीम ने अफ्रीका को वनडे सीरीज में भी 3-0 से मात दी। किसी भी टीम को आगे ले जाने में कप्तान की बड़ी भूमिका होती है। हरमनप्रीत ने उस भूमिका को बखूबी निभाया है। उन्होंने शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिगेज, पूजा वस्त्रकार, स्नेह राणा जैसी शानदार खिलाड़ियों को तैयार किया। आज यही खिलाड़ी भारत का भविष्य लिख रही हैं। इन सभी खिलाड़ियों के साथ भारतीय टीम को विजय रथ पर सवार करने के लिए हरमनप्रीत की जितनी भी तारीफ हो कम ही होगी। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम लगातार बेहतर होती जा रही है। कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घर पर टेस्ट मैच खेला था। इसमें भी टीम ने जीत हासिल की थी और उसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी मात दी थी। अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ चेन्नई टेस्ट जीतने के साथ हरमनप्रीत कौर महिला टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली कप्तान बन गई हैं, जिनके नेतृत्व में टीम ने लगातार तीन मुकाबलों को अपने नाम किया है। हरमनप्रीत ने भारतीय महिला टीम की दिग्गज पूर्व खिलाड़ी मिताली राज के कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टेस्ट जीत के रिकॉर्ड को भी बराबर कर लिया है। कौर के नेतृत्व में टीम इंडिया ने जहां तीन मुकाबले खेलते हुए सभी में जीत हासिल की है तो मिताली राज के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम ने आठ टेस्ट मैच खेले थे जिनमें से तीन में जीत हासिल हुई थी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ये उपलब्धियां रिकॉर्ड बनाने से इतर हमारे समाज में महिला सशक्तिकरण की अलख जगा रही हैं। भारत जैसे देश, जहां महिलाओं की स्थिति में बड़े बदलाव की जरूरत है, ये उपलब्धियां हमारी पारंपरिक संस्कृति में घर कर गई विसंगतियां दूर करने में भी मददगार साबित हो रही हैं। लैंगिक समानता के सपने को साकार करने में मदद कर रही हैं। पुरु ष टीम की जीत से भारत को विश्व कप मिला तो महिला टीम की जीत ने बता दिया कि क्रिकेट के मैदान पर सिर्फ भारतीय पुरु षों का ही दबदबा नहीं है, महिलाएं भी उनसे कदमताल कर रही हैं। महिला टीम की बड़ी जीत से कई संदेश निकले जो क्रिकेट में भारतीय महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर पेश करते हैं। पिछली बार नवम्बर, 2014 में भारतीय टीम ने जब दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू मैदान पर टेस्ट खेला था, तब मिताली राज कप्तान थीं। हरमनप्रीत कौर भी इस टेस्ट का हिस्सा थीं। यह मैच तो भारत ने जीत लिया था लेकिन तब किसी को इल्म नहीं था कि 17 रन बनाने वाली हरमनप्रीत की कप्तानी में एक दिन अफ्रीकी टीम को इतनी बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। यह भी तथ्य है कि तब महिला टीम को लेकर भविष्य की तस्वीर धुंधली नजर आती थी। लेकिन बीते एक दशक के दौरान महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सबको हैरान कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भारत ने एकतरफा दबदबा बना कर रखा था। इसकी शुरु आत शेफाली के धमाकेदार दोहरे शतक और मंधाना के शतक से हुई। इसके बाद गेंदबाजों ने अफ्रीकी खिलाड़ियों पर शिंकजा कसा। खासकर स्नेह राणा के 10 विकेट ने मैच ही पलट दिया। टी 20 विश्व कप के शोर में भले ही इस मैच को दर्शक कम मिले लेकिन महिला क्रिकेटरों का जुनून देखते ही बन रहा था।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, गुरुवार 11 जुलाई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

साई वल्लभ दास के रायपुर प्रथम आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। होशंगाबाद से साईं वल्लभ दास जी का प्रथम आगमन पर तारवानी परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया। तारवानी परिवार के राजू भाई तारवानी ने बताया कि साई वल्लभ दास जीं के दो दिन के आगमन में सर्वप्रथम रेल्वे स्टेशन में बैंड बाजे के साथ स्वागत करते हुए इंदर माधुरी ब्रजवानी के घर में आशीर्वाद प्राप्त हुआ उसके बाद तारवानी परिवार के पाँचों परिवार राकेश तारवानी भीमन दास उत्तमचंद तारवानी चेतन तारवानी फिर राजू भाई तारवानी के घरों में पूरे परिवार सहित भव्य स्वागत किया गया प्रथम दिवस शाम को भव्य सत्संग संध्या का आयोजन तारवानी परिवार द्वारा शक्तिधाम स्वामी हरिगिर महाराज धर्मशाला में आयोजित किया गया साईं वल्लभ दास जी के साथ साईं हरीश कुमार जी भी विशेष रूप से उपस्थित थे जिसमे बड़ी संख्या में लोग भक्तिमय होकर झूमते रहे अंत में सभी श्रद्धालुओं की लिए भंडारे की व्यवस्था की गई संत वल्लभ दास जी के प्रवास के द्वतीय दिवस में सर्वप्रथम स्वामी हरिगिर महाराज की समाधि में पूजा अर्चना कर पूज्य शदाणी दरबार के संत डॉ युधिष्ठिर लाल जी शदाणी से विशेष रूप से मुलाक़ात किए इसके अलावा अनेक श्रध्दालुओ के घरों में भ्रमण कर आशीर्वाद प्रदान किये।

मंदिर में मूर्ती नहीं मूर्तीमान की पूजा होती है: मुनि श्री निष्कंप सागर जी महाराज

विदिशा (विश्व परिवार)। शीतलधाम में गुरुवार को आचार्य गुरुदेव का 57वॉ दीक्षा महोत्सव मुनिसंघ के सानिध्य में यदि आप चाहते है कि आपका कुल दीपक कुल को कलंकित न करे तो माताओं गर्भावस्था से ही धर्म का बीजारोपण करना- मुनि श्री निष्कंप सागर महाराज ने प्रात:कालीन प्रवचन सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा मंदिर में मूर्ती नहीं मूर्तीमान की पूजा होती है, आचार्य भगवन् ने आप सभी के धर्म ध्यान के लिये ही, जो भगवान सिद्ध हो चुके उनकी प्रतिमूर्ति यंहा अरिहंत विहार में विराजमान की है, उस मूर्ती में मूर्तीमान के दर्शन करना, पूजन करते समय उनके गुणों को स्मरण करना बंदे तद गुण लब्धये उन्होंने कहा कि हर मां के अंदर यह भावना होंना चाहिये कि मेरा पुत्र आचार्य विद्यासागर बने, वंश को तो कोई भी संतान आगे बड़ा सकती है लेकिन जैन धर्म की पताका को कोई कोई बच्चा ही आगे बड़ा पाता है।उन्होंने कहा कि मुनि बनने की भावना बचपन से ही जब संस्कारित हो जाती है, तो वह बच्चा मुनि बने या न बने, लेकिन बह कभी कुल को कलंकित नहीं करेगा यह पक्का विश्वास है, विद्याधर को उनकी मां श्रीमंति ने बचपन से ही जब संस्कारित किये तभी वह बालक वर्तमान के वर्धमान विद्याधर से आचार्य विद्याधर बने मुनि श्री ने कहा आचार्य श्री ने हमेशा हिंदी मिती की ही सराहना की है और हम सभी लोग अषाढ़ सुदी पंचमी जिस तिथी पर आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज ने विद्याधर को मुनि विद्यासागर बनाकर संस्कार दिये थे वह तिथि11 जुलाई गुरुवार को है और यह भव्य कार्यक्रम आचार्य गुरुदेव के परोक्ष में हम और आप पहलीबार शीतलधाम में मनाने जा रहे है इसमें प्रत्येक जैन परिवार को भाग लेकर गुरूदेव को स्मरण कर उनके गुणों को याद करें भगवान के या गुरुदेव की पूजन करने से बंदे तदगुण लब्धये के भाव रखना चाहिये मुनि श्री ने कहा कि भगवान से या गुरु से, घर गृहस्थी या सांसारिक सुखों को मत मांगना, निष्काम भाव से भक्ति करने से जब अभयोदय सुख तथा परंपरा से मोक्ष सुख की प्राप्ती हो जाया करती है, तो यह सांसारिक सुख तो बहूत ही तुच्छ है वह तो मिल ही जाते है। इस अबसर पर मुनि श्री निष्काम सागर जी महाराज ने सम्बोधित किया मंच पर मुनि श्री निष्पक्ष सागर जी महाराज एवं मुनि श्री निष्प्रह सागर जी महाराज विराजमान थे। -**अविनाश जैन**

जिनेंद्र देव की भक्ति तन से हो या मन से लाभ अवश्य मिलता है : आर्यिका रत्न सौभाग्यमति माताजी

वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में विराजित हुआ आर्यिका संघ, प्रवचन, आहार उपरांत हुआ विहार

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत गौरव विदुषी गणनी वागड़ केसरी आर्यिका रत्न 105 श्री सौभाग्यमति माताजी सहित समस्त आर्यिका संघ का प्रात: मंगल बेला में डी.डी.नगर स्थित श्री 1008 वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में आगमन हुआ। जैन मंदिर में आर्यिका रत्न 105 श्री सौभाग्यमति माता ने प्रवचन करते हुए कि इस पंचम काल में जिनेंद्र भगवान, गुरू और जिनवाणी के प्रति श्रृद्धा, भक्ति के लिए परिवार जनों, बच्चों सभी को प्रेरित करना चाहिए और भक्ति चाहे तन से की जाए या मन से की जाए उसका लाभ अवश्य मिलता है, अकाम हो या सकाम कर्मों की निर्जरा तो होती ही है। एक बार जब भीतर से भक्ति उमड़ने लगती है तो फिर आप कितने भी व्यस्त हो, कहीं भी हों, जिनेंद्र देव के दर्शन, आराधना करने के लिए समय निकाल ही लेते हैं। आर्यिका रत्न द्वारा विशेष शांतिधारा कराई गई। इसके पश्चात् नवधा भक्ति से आर्यिका संघ का पड़गाहन कर आहार कराया गया। दोपहर में संघ का विहार टाटीबंध के लिए हो गया, यहां से भिलाई में चातुर्मास करने हेतु विहार चल रहा है।

बुधवार की सुबह आर्यिका रत्न 105 श्री सौभाग्यमति माता, आर्यिका शिक्षामति माता, आर्यिका संक्षेपमति माता, क्षुल्लिका समक्षमति माता तथा क्षुल्लिका साक्षात्मति माता ससंघ की भव्य आगवानी करने के लिए गाजे-बाजे के साथ समाज के लोग बड़ी संख्या में एनआईटी चैराहा मार्ग पर एकत्रित हुए। मार्ग में रंगोली आरती सजाई गई तथा आर्यिका रत्न के पाद प्रक्षालन किया गया। डी.डी.नगर स्थित जैन मंदिर में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलन भरत भोरावत, शैलेंद्र पाटनी, ब्रजेश मनोरिया, यशवंत जैन अध्यक्ष एवं समस्त कार्यकारिणी मालवीय रोड द्वारा किया गया। आर्यिका रत्न माता को शास्त्र भेंट आदिश्वर महिला मंडल द्वारा किया गया। श्री दिगंबर जैन सेवा समिति डी डी नगर ने आर्यिका गणनी सौभाग्यमति माता के समक्ष श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आर्यिका गणनी सौभाग्यमति माता द्वारा भगवान की विशेष शांतिधारा कराने का पुण्यार्जन दीपक, डॉली, मुस्कान हर्षिल जैन एवं डॉ. मंजुला जैन परिवार को प्राप्त हुआ। नवधा भक्ति के साथ आर्यिका संघ का आहार हेतु पड़गाहन किया गया जिसमें आदिश्वर महिला मंडल, यशवंत जैन, जया जैन व पवन सेठी, मंजू सेठी द्वारा चैका लगाया गया।

इस दौरान सभी आगंतुकों का स्वागत श्री 1008 वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष नरेश जैन, सचिव विकास जैन, कोषाध्यक्ष राजेश जैन, उपाध्यक्ष अनिल जैन, डॉ विशाल जैन, रमेश जैन, शह-सचिव मनोज जैन, दीपक जैन, कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र जैन, शशांक जैन, बाहुबली जैन द्वारा किया गया। -**डॉ. मंजूला जैन**

देश में बुंदेलखंड की पहचान सबसे अलग है : मुनिश्री सुधासागर जी महाराज

सागर (विश्व परिवार)। देश में हर प्रांत की भोजन की थाली अलग-अलग है। मंदिर अलग है। मंदिरों में पूजा पाठ, मंदिर में अभिषेक की विधि अलग अलग है लेकिन बुन्देलखण्ड के हर मंदिर में चले जाना है मंदिर होंगे पूजन की थाली और अभिषेक का लोटा एक होगा और इसी अखंडता को देखकर गुरुदेव बुंदेलखंड में जम गए थे। यह बात निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर महाराज कटरा बाजार मे धर्म सभा में कहीं उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में महिलाओं को अभिषेक करने ना मिला है ना मिलेगा। इस बात का ध्यान रखना। उन्होंने कहा कि जहां पंडित ज्यादा हो वहां अंधेरा रहता है वह धर्म को जानता है धर्मात्मा को नहीं जानता है उजाला धर्म से नहीं धर्मात्मा से होता है। वह पत्थर कितना भाग्यवान है जो भगवान श्रीराम के हाथ में आया है लेकिन इसका कितना दुर्भाग्य है।

भगवान के हाथ से छूटेगा वो डूबेंगा इसको डूबना नहीं चाहिए। उन्होंने हर पत्थर के हृदय पर राम का नाम लिखा है। और वह पत्थर राम के भक्त हनुमान समुद्र में फेंक रहे है तो डूब नहीं रहा यह चमत्कार भगवान में नहीं भक्त में है। इसलिए पत्थर तैर रहा है। मुनिश्री ने कहा हम चमत्कार के पीछे दौड़ते हैं लेकिन चमत्कार तुम्हारी कड़कड़ में है। समुद्र के मंथन में जो रत्न निकले थे वह सभी ने ले लिये एक जहर भी निकला था और वह महादेव के हिस्से में गया था लेकिन जब उन्होंने जहर पिया वह कंठ के नीचे नहीं गया तभी से उन्हें नीलकंठ कहा जाता है। मुनिश्री ने कहा विश्वास हमें डॉक्टर पर है दवाई पर नहीं। डॉक्टर यदि हमें जहर भी देगा हम सोचकर खा लेंगे जब ठीक हो जाए। लेकिन जान बूझकर हम यह नहीं खा सकते। आज के इस काल में व्यक्ति का विरोध ज्यदा हो रहा है क्योंकि सत्य कोई सुनता नहीं है। सम्यक दृष्टि जीव का लक्ष्य मोक्ष मार्ग है। आज व्यापार करते करते। चौबीस घंटे कमाई पाप की ज्यादा कर पुण्य का काम करते हैं आप लोग। -**मुकेश जैन ढाना**

मधुकर कुल की जैन साध्वी सुमंगल प्रभा जी का साध्वी समुदाय के साथ 12 जुलाई को नगर प्रवेश

चातुर्मासिक प्रवेश 15 जुलाई को जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब दुर्ग में

दुर्ग (विश्व परिवार)। श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य अनुशासन प्रणेता पूज्य गुरुदेव श्री मिश्रीमल जी म.सा.%मधुकर% के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक, सलाहकार, पू. गुरुदेव श्री विनयमुनिजी म.सा. भीम की आज्ञानुवर्तिनी, मधुकर कुल प्रमुखा, पू. गुरुमाँ श्री मनोहर कुंवरजी म. सा. की सुशिष्याएं साध्वी डॉ सुमंगल प्रभा जी साध्वी डॉ सुवृद्धि श्रीजी साध्वी श्री रजत प्रभा श्रीजी साध्वी श्री प्रांजल श्री जी साध्वी श्री वंदना श्री जी के साथ दुर्ग नगर का पावन धरा पर प्रथम बार 12 जुलाई पार्श्व की तीर्थ नागपुर के रास्ते कोटनी से नगर प्रवेश होने जा रहा हे श्रमण संघ के सभी सभी संगठन चंडी मंदिर के पास उपस्थित होकर साध्वी समुदाय के स्वागत अभिनन्दन के लिए चंडी मंदिर के पास प्रात: 7:30 बजे उपस्थित रहेंगे

श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल श्रमण संघ महिला मंडल एवं वर्धमान सेवा मंच के सदस्य साध्वी समुदाय के स्वागत के लिए आतुर है यहां से सभी भगवान महावीर के जयकारों के साथ लोढ़ा भवन खंडेलवाल कॉलोनी साध्वी समुदाय के साथ जाएंगे 2 दिन महावीर कॉलोनी खंडेलवाल कॉलोनी ऋषभ कॉलोनी विचरण के पश्चात 15 जुलाई को प्रात: 6:30 ज्ञानचंद संदीप कुमार बाफना पचरी पारा इंदिरा मार्केट दुर्ग से मोती कंपलेक्स गांधी चौक शनिचरी बाजार होते हुए जय आनंद मधुकर भवन में चतुर मासिक मंगल प्रवेश होगा जिसमें पुरुष वर्ग सफेद परिधान एवं महिला वर्ग केसरिया एवं चुनरी प्रिंट की साड़ियों के साथ प्रवेश उत्सव को सफल बनाएंगे। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ के अध्यक्ष धर्मचंद लोढ़ा मंत्री राकेश संचेती ने चातुर्मास प्रवेश में शामिल होने वाले सभी भक्तजनों से मुंहपति लगा कर ही प्रवेश यात्रा भाग लेने का आग्रह किया है। आगामी 20 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ होने जा रहा है। -**नवीन संचेती**

भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्शसागर जी ने कहा- जीवन दर्पण की तरह जिओ

कर्म पुरा में दिगम्बर जैनाचार्य के दर्शनों के लिये भीड़ उमड़ पड़ी

कृष्णानगर (विश्व परिवार)। परम पूज्य जिनागम पंथ प्रवर्तक, जीवन है यानी की बूंद' महाकाव्य के मूल रचधिग राष्ट्र ?योगी भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज के विशाल चतुर्विध संथ का दिल्ली चातुर्मास 2024 कृष्णानगर के लिये मंगल बिहार चल रहा है। भावविंगी संत का प्रथम बार दिल्ली में चातुम्मनित होनेज्य रहा है। उत्कृष्ट चर्चा के धनी परम वंदनीय आचार्य भगवन के चानुमति को लेकर सम्पूर्ण दिल्ली सहित कृष्णानगर में विशेष तैयारिया की जा रही है। इस बार पूज्य आचार्य भगवन को लेकर सम्पूर्ण दिल्ली में अपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। कृष्णानगर मंदिर एवं समाज समिति द्वारा आयोजनों को लेकर तैयारियों को लगभग पूर्व रूप दिया जा चुका है।

आचार्य भगवन को, मंगल बिहार कब दिनाँक 08/07/24 को हरिनगर रसे लगभग 7:5द्व हुआ। अहिंसा, शाकाहार, नशामुक्ति आदि पवित्र उद्देश्यों को लेकर यह जिनागय पंथ प्रभावना यात्रा परम पूज्य आचार्य श्री विमर्शसागर जी मामुनिराज के मंगल निर्देशन में देश के विभिन्न राज्यों, नगरी महानगरी का परिभ्रमण करते हुये दिल्ली महानगर शास पहुंची है। हरिनगर से 7.5द्व मंगल बिधर कर पूज्य जेनाचार्य श्री 09/07/24 को कर्मपुरा जैन मंदिर पहुंचे। चतुर्विध संघ कभी मंगल भगवानि कर जैन- जेनेतर समाज उमड़ पड़ा। भाचार्य श्री के मंगल प्रवचन का आयोजन रखा गया। जिसमें परम पूज्य भावविंगी रसंत ने रियत श्रद्धानुमों को संबोधित करते हुये लब कि इरत वर्तमान जीवन का काई ठिकाना नहीं है। पानी की बूँद भी तरह यह जीवन अणभंगुर है। हमें प्रतिदिन गृहस्थिक कार्यों के साथ-साथ परमात्मा का स्मरण भी अवश्य करते रहना चाहिये। क्योंकि जो सांसे प्रभु के स्मरण के साथ व्यतीत होती हैं वे सार्थक हो जाया करती हैं। आचार्य भगवन ने कहा कि जीवन की दर्पण की तरह जियो . जिसमें स्वागत तो सबका हो, पर अर्जन किसी का भी न हो। जीवन को जीते हुये सतत जीवन का लक्ष्य भी हमारे ख्यालों में रहना चाहिये, क्योंकि बिना लक्ष्य के जीवन का कोई औचित्य नहीं है। -**विशु दीदी**

प्रतिष्ठा पितामह पं. गुलाबचंद्र पुष्प जी के शताब्दी जन्म दिवस पर नवागढ़ में हुआ अरनाथ महामंडल विधान

मुनि श्री प्रक्षालसागर महाराज एवं मुनि श्री रत्नत्रयसागर महाराज के सान्निध्य में हुआ आयोजन

ललितपुर (विश्व परिवार)। प्रागैतिहासिक नवागढ़ अतिशय क्षेत्र के अन्वेषक उन्नायक पंडित गुलाबचंद जी पुष्प जो प्रतिष्ठा पितामह के रूप में देशभर में विख्यात रहे के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बुधवार 10 जुलाई को आचार्य श्री विरागसागर महाराज जी के शिष्य मुनि श्री प्रक्षालसागर जी महाराज एवं मुनि श्री रत्नत्रयसागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में मूलनायक अरनाथ भगवान की शांतिधारा एवं अरनाथ महामंडल विधान अनुष्ठान का आयोजन श्रद्धा भक्ति के साथ विधि- विधान पूर्वक किया गया।

आज शताब्दी जन्म दिवस के उपलक्ष्य में प्रागैतिहासिक तीर्थ क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी में श्री नवागढ़ गुरुकुलम के छात्रों के साथ सभी पदाधिकारी एवं स्थानीय समाज के सभी भक्तों ने श्री अरनाथ महामंडल विधान भक्तिभाव पूर्वक संपन्न किया। इस मौक़े पर शांतिधारा का सौभाग्य पुष्प परिवार के माध्यम से शिखर चंद्र जैन, डॉक्टर उत्तम चंद्र जैन, राजकुमार जैन, ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत एवं डॉ प्रदीप कुमार जैन को प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पंडित मनीष जैन संजू टीकमगढ़, राजीव जैन वीडियोग्राफर टीकमगढ़, ऋषभ ओलिया छतरपुर के साथ श्री कोमलचंद जैन, कैलाश जैन, प्रवीण कुमार जैन, बबलू ढूंढा, प्रसन्न चौधरी बड़ागांव, धीरेंद्र पत्रकार बड़ागांव, सजल जैन आदि सभी ने पुष्प जी को श्रद्धांजलि समर्पित की। श्री नवागढ़ गुरुकुलम के छात्रों को निर्देशक ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत भैया जी ने पंडित गुलाबचंद जी पुष्प के जीवन एवं उनके द्वारा नवागढ़ के उत्थान, साहित्य सृजन और जिनशासन की प्रभावना के अवदान पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धांजलि समर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि श्रद्धेय पुष्प जी ने जिनशासन की प्रभावना करते हुए द्विशताधिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के साथ ऐतिहासिक पुरा संपदा से संपन्न भगवान अरनाथ स्वामी के अतिशय क्षेत्र नवागढ़ का अन्वेषण करते हुए अपना पूरा जीवन इसके उन्नयन में समर्पित किया। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के द्वारा सप्तम प्रतिमा के व्रत का पालन करते हुए संलेखना पूर्वक समाधि मरण कर अपने जीवन को सार्थक किया। संचालन क्षेत्र के महामंत्री वीरचंद नेकोरा, आभार अशोक कुमार जैन मैनवार ने व्यक्त किया। -**डॉ. सुनील संचय**

कैट ने आगामी आम बजट हेतु आयकर एवं जीएसटी सरलीकरण के लिए केन्द्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को दिया सुझाव

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी जी अध्यक्षता में कैट एवं तकनीकी टीम की मिटिंग हुई जिसमें आगामी आम बजट हेतु आयकर एवं जीएसटी सरलीकरण हेतु केन्द्रीय वित्तमंत्री माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को आम बजट हेतु आयकर एवं जीएसटी सरलीकरण से संबंधित सुझाव दिया गया।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर ने केन्द्रीय वित्तमंत्री माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को आम बजट हेतु आयकर एवं जीएसटी सरलीकरण से संबंधित सुझाव दिया गया। जो निम्नानुसार है-

जीएसटी सरलीकरण हेतु प्रमुख सुझाव- 01, पूर्व माह का जीएसटीआर -3बी न जमा होने पर जीएसटीआर -1 जमा करने पर प्रतिबन्ध 02. विक्रेता पर ही कार्यवाही की जानी चाहिए। 03. नियम 21 जीएसटी पंजीकरण का निलंबन/निरस्तीकरण 04. इनपुट टैक्स क्रेडिट जीएसटीआर 2बी के आधार मान्य होने, 05 आरसीएम संबंधित प्रावधान, 06 जीएसटी वार्षिक विवरण के सम्बंध में सुझाव, 07. छुटे हुए इनपुट टैक्स क्रेडिट लेन एवं वार्षिक विवरण पत्र में संशोधन किए जाने हेतु अवसर प्रदान करने बाबत, 08. ई-वे बिल की वैधता अवधि में 50 प्रतिशत की कटौती, 09. माल के परिवहन एवं ई-वे बिल सम्बंधित समस्याएं, 10 ई-इनवासिंग की स्थिति में खरीददार को इनपुट अनिवार्य रूप से मिलना चाहिए, 11. ई-इनवॉइसिंग के 1 अगस्त 2023 से रु.5 करोड़ तक के टर्नओवर वाले व्यापारियों पर लागू किए गए प्रावधान वापस लेने बाबत, 12. जीएसटी का रजिस्ट्रेशन सरेंडर करने बाबत, 13. ब्याज, पेनाल्टी एवं विलंब शुल्क से छुट प्रदान करने हेतु, 14. व्यवसाय को राहत देने एवं ईज ऑफ डूइंग हेतु सुझाव, 15. जीएसटी के प्रावधानों में सुधार हेतु अन्य सुझाव, 16 रिटर्न सम्बंधित अन्य समस्याएं, 17. एक व्यवसाय एक कर, 18. जीएसटी की दर में कमी करने हेतु सुझाव, 19. आंशिक रूप से/बिना नकद भुगतान के फॉर्म जीएसटीआर 3बी जमा करने का विकल्प दिया जाना चाहिए, 20. आईजीएसटी आउटपुट के भुगतान के लिये सीजीएसटी और या एसजीएसटी इनपुट का उपयोग करने के लिये समान विकल्प दिया जाना चाहिये, 21. पंजीयन से सम्बंधित, 22 .अन्य सुझाव।

आगामी बजट हेतु आयकर के लिए प्रमुख सुझाव- टीसीएस या टीडीएस को हटाया जाना चाहिये (धारा 198 क्यु), धारा 263 के तहत आदेश के अनुसार ताजा मूल्यांकन, धारा 17(2) के अनुदान से संबंधित मुद्दे, धारा 139(4) के अंतर्गत विलंबित रिटर्न की समय सीमा/धारा 139 (5) के अंतर्गत संशोधित रिटर्न से संबंधित मुद्दा, आईटीआर दाखिल करने के लिए अनिवार्य विलंब शुल्क को यक्तिसंगत बनाने से संबंधित मुद्दा (234एफ), धारा 139(8ए) के तहत अद्यतन रिटर्न से संबंधित मुद्दे, प्राथमिक मेल और द्वितीयक मेल दोनों में ई-मेल के माध्यम से नोटिस आदि की सेवा अनिवार्यत, धारा 148-मूल्यांकन को फिर से खोलने के नए प्रावधानए, 0अपीलों की प्राथमिकता पर सुनवाई और निपटान, 0अन्य प्रक्रियात्मक मुद्दे, लघु समय सीमा, सीआईटी (ए) के समक्ष अपीलों के लंबित होने से संबंधित मुद्दा, पुरानी मांगों के भुगतान का श्रेय, आईटीआर की प्रोसेसिंग न होने/प्रोसेस्ड आईटीआर का रिफंड न जारी होने से संबंधित मुद्दे (इन), बड़े रिफंड का मामला, खुदरा व्यापार को बढ़ावा देने, वायदा बाजार, धारा-56 ;2h, ए 17. हाउस प्रापर्टी संबंधित, टी.डी.एस., नगद लेन देन सीमा, आयकर रिटर्न, आयकर सर्च एवं सर्वे, अन्य प्रावधानों में सुधार हेतु सुझाव।

केन्द्र सरकार की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने सराहा रायपुर स्मार्ट सिटी की आईटीएमएस प्रणाली

तक्षशिला लाइब्रेरी में अध्ययनरत युवाओं से मिलकर संयुक्त सचिव हुई अभिभूत

रायपुर (विश्व परिवार)। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने आज रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और स्मार्ट रीडिंग जोन सह लाइब्रेरी तक्षशिला का अवलोकन किया। उन्होंने विश्व स्तरीय यातायात प्रबंधन की इस प्रणाली के अंतर्गत स्वच्छता, सुरक्षा, अपराध नियंत्रण विषयक नवाचारों की सराहना की है।

तक्षशिला लाइब्रेरी में युवा प्रतिभागियों को अध्ययन सुविधा प्रदान करने के लिए रायपुर में उन्नत सुविधाओं की भी विस्तार से जानकारी ली एवं युवाओं का मार्गदर्शन किया। राज्य शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शशांक पांडेय भी भ्रमण में उनके साथ थे। इस दौरान नगर निगम आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री अबिनाश मिश्रा के साथ मुख्य परिचालन अधिकारी श्री उज्जवल पोरवाल ने नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए रायपुर में संचालित विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में उन्हें विस्तार से अवगत कराया।

संयुक्त सचिव श्रीमती मिश्रा ने महानगरों की तर्ज़ पर विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप विकास गतिविधियों के संचालन को अन्य शहरों के लिए भी अनुकरणीय कहा आई.टी.एम.एस. में उन्होंने यातायात प्रबंधन प्रणाली के साथ-साथ स्वच्छता संबंधी नवाचारों की भी विस्तार से जानकारी ली। भ्रमण के दौरान नगर निगम और स्मार्ट सिटी के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/देश
रायपुर, गुरुवार 11 जुलाई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

गौशाला के ट्रस्टी अखिल जैन ने राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से की मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से मनोहर गौशाला के ट्रस्टी अखिल जैन ने मुलाकात की। उन्होंने गौ सेवा में समर्पित मनोहर गौशाला के रिसर्च के साथ ही अन्य विषयों पर चर्चा की। अखिल जैन ने उन्हें इन्दिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय में चल रहे फसल अमृत के शोध की रिपोर्ट की कॉपी और गाय एक वरदान पुस्तक भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने कामधेनू सौम्या माता के बारे में विशेष रूप से चर्चा की। नेचुरल फार्मिंग की राज्यपाल ने सराहना की और बहुत ही उत्कृष्ट कार्य कहा। मनोहर गौशाला में चल रहे रिसर्च के साथ ही विभिन्न मुद्दों पर राज्यपाल से चर्चा की गई।

एएम/एनएस इंडिया ने पालनार ग्राम पंचायत में किया नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन, 115 मरीज हुए लाभान्वित

दंतेवाड़ा (विश्व परिवार)। दिनांक 9/07/2024 को एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा दंतेवाड़ा के पालनार ग्राम पंचायत में नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों की नि: शुल्क पैथोलॉजिकल जांच, मलेरिया जांच, बीपी, शुगर जांच कर दवाइयों का वितरण किया गया। एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा आयोजित नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर के अंतर्गत लगभग 115 मरीजों को लाभान्वित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान जिला चिकित्सालय के कर्मचारी, एएम/एनएस इंडिया दंतेवाड़ा सीएसआर प्रमुख तेजप्रकाश जी एवं टीम सहित पालनार ग्राम पंचायत के ग्रामीणों की उपस्थिति रही। एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा लगातार ग्रामीण ? एवं आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक कल्याण एवं विकास, शिक्षा, रोजगार, स्पोर्ट्स, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं जैसे क्षेत्रों में सुधार के प्रयास किए जा रहें हैं।पालनार में आयोजित नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर भी इन्हीं प्रयासों का मुख्य हिस्सा है, जिसका मुख्य उद्देश्य दंतेवाड़ा के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में निवासरत लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करना एवं स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ावा देना है। जिससे ग्रामीणों के जीवनस्तर में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केवीआईसी ने बनाया नया कर्तिमान

पहली बार खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार 1.5 लाख करोड़ रुपये के पार, केवीआईसी ने वित्त वर्ष 2023-24 के अनंतिम आंकड़े जारी किये

10 वर्षों में खादी-ग्रामोद्योग भवन नई दिल्ली के कारोबार में रिकॉर्ड 87.23 प्रतिशत वृद्धि

अध्यक्ष केवीआईसी मनोज कुमार ने कहा, 'मोदी की गारंटी ने खादी की बिक्री को नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 में उत्पादन, बिक्री और नये रोजगार सृजन का नया रिकॉर्ड बनाया है। मंगलवार को केवीआईसी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने नई दिल्ली के राजघाट स्थित कार्यालय में वित्त वर्ष 2023-24 के अनंतिम आंकड़े जारी किये। पिछले सभी आंकड़ों को पीछे छोड़ते हुए, वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में बिक्री में 399.69 प्रतिशत (लगभग 400त्न), उत्पादन में 314.79 प्रतिशत (लगभग 315त्न) और नये रोजगार के सृजन में 80.96 प्रतिशत (लगभग 81त्न) की बढ़ोत्तरी हुई है। बता दें कि वित्त वर्ष 2022-23 में वर्ष 2013-14 की तुलना में बिक्री में 332.14त्न, उत्पादन में 267.52 प्रतिशत और नये रोजगार सृजन के क्षेत्र में 69.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी।

केवीआईसी के इस शानदार प्रदर्शन ने वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने और भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में बड़ा योगदान दिया है। आज़ाद भारत के इतिहास में पहली बार केवीआईसी के उत्पादों की बिक्री वित्त वर्ष 2023-24 में 1.55 लाख करोड़ रुपये को पार कर गयी है। वित्तवर्ष 2022-23 में बिक्री का आंकड़ा 1.34 लाख करोड़ रुपये था। 'मोदी सरकार' के पिछले 10 वित्त वर्षों में, ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों द्वारा बनाये गए स्वदेशी खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री वित्त वर्ष 2013-14 में जहां 31154.20 करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में यह बढ़कर 155673.12 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी, जो अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। वित्त वर्ष 2023-24 में केवीआईसी के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्र में 10.17 लाख नये रोजगार का सृजन हुआ है जिसने ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त किया है।

पिछले 10 वर्षों में उत्पादन में 315 प्रतिशत और बिक्री में 400 प्रतिशत की वृद्धि, 10 वर्षों में नये रोजगार सृजन के क्षेत्र में 81 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी

केवीआईसी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय पूज्य बापू की प्रेरणा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और देश के सुदूर गांवों में कार्यरत करोड़ों कारीगरों की अथक मेहनत को दिया है। एक बयान में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 'ब्रांड शक्ति' ने खादी के उत्पादों पर लोगों का विश्वास बढ़ाया है। युवा वर्ग के लिए खादी फैशन का 'नया स्टेटस सिंबल' बन गया है। बाजार में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिसका परिणाम उत्पादन, बिक्री और रोजगार के आंकड़ों में दिख रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 10 वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बड़े बदलाव और फैसले लिये गये हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि 'मेक इन इंडिया', 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर देश की जनता का भरोसा बढ़ा है।

खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के उत्पादन में बड़ी वृद्धि : वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों का उत्पादन जहां 26, 109.08 करोड़ रुपये था, वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में यह 314.79 प्रतिशत के उछाल के साथ 108297.68 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में उत्पादन 95956.67 करोड़ रुपये था। सतत बढ़ते उत्पादन का यह आंकड़ा इस बात का सशक्त प्रमाण है कि ग्रामीण क्षेत्र में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने ऐतिहासिक कार्य किया है।

खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री में बड़ा उछाल- पिछले 10 वित्त वर्षों में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों ने बिक्री के मामले में हर वर्ष नये रिकॉर्ड बनाये हैं। वित्त वर्ष 2013-14 में बिक्री जहां 31154.20 करोड़ रुपये थी, वहीं 399.69 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि के साथ यह वित्त वर्ष 2023-24 में 1, 55, 673.12 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो कि अब तक की सर्वाधिक बिक्री रही है।

खादी कपड़ों के उत्पादन का नया कीर्तिमान- पिछले 10 वर्षों में खादी कपड़ों के उत्पादन में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां खादी कपड़ों का उत्पादन 811.08 करोड़ रुपये था वहीं 295.28 प्रतिशत के उछाल के साथ यह वित्त वर्ष 2023-24 में 3206 करोड़ रुपये के आंकड़े पर पहुंच गया, जो कि अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वित्त वर्ष 2022-23 में खादी कपड़ों का उत्पादन 2915.83 करोड़ रुपये था।

खादी कपड़ों की बिक्री ने भी रचा नया इतिहास- पिछले 10 वित्त वर्षों में खादी के कपड़ों की मांग भी तेजी से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां इसकी बिक्री सिर्फ 1081.04 करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में 500.90 प्रतिशत वृद्धि के साथ यह 6496 करोड़ रुपये पहुंच गई। वित्त वर्ष 2022-23 में 5942.93 करोड़ रुपये के खादी के कपड़े बिके थे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा बड़े मंच से खादी का प्रचार करने का व्यापक असर खादी के कपड़ों की बिक्री पर पड़ा है। पिछले वर्ष देश में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम से राजघाट तक जिस तरह से खादी का प्रचार-प्रसार किया उसने खादी के प्रति विश्व समुदाय को आकर्षित किया है।

नये रोजगार सृजन और संचयी रोजगार सृजन का नया कीर्तिमान- खादी और ग्रामोद्योग आयोग का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध करना है। इस क्षेत्र में भी केवीआईसी ने पिछले 10 वर्षों में रिकॉर्ड कायम किया है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां संचयी रोजगार 1.30 करोड़ था, वहीं यह 2023-24 में 43.65 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1.87 करोड़ तक पहुंच गया। इसी तरह से वित्त वर्ष 2013-14 में जहां 5.62 लाख नए रोजगार का सृजन हुआ था, वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में यह 80.96 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10.17 लाख पहुंच गया। खादी कपड़ों के निर्माण के क्षेत्र में 4.98 लाख ग्रामीण खादी कारीगरों (कत्तिन और बुनकर) और कार्यकर्ताओं को भी रोजगार मिल रहा है।

खादी-ग्रामोद्योग भवन नई दिल्ली के कारोबार में रिकॉर्ड वृद्धि- खादी और ग्रामोद्योग भवन, नई दिल्ली के कारोबार में भी पिछले 10 वर्षों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2013-14 में यहां का कारोबार जहां 51.13 करोड़ रुपये था, वहीं 87.23 प्रतिशत बढ़कर यह वित्त वर्ष 2023-24 में 95.74 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वित्त वर्ष 2022-23 में खादी-ग्रामोद्योग भवन नई दिल्ली का कारोबार 83.13 करोड़ रुपये था।

अखिल भारतीय अंतर रेल पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशीप 2024 का आयोजन सम्पन्न

मुंबई (विश्व परिवार)। 20वी (पुरुष) एवं 14वी महिला अखिल भारतीय अंतर रेल पावर लिफ्टिंग चैम्पीयनशीप 2024 का आयोजन दिनांक 5 से 9 जुलाई 2024 को महालक्ष्मी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मुंबई (वेस्टर्न रेलवे) मे आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता मे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ कि टीम ने अपना बेहतर प्रदर्शन किया। महिला वर्ग मे 57 किलोग्राम वर्ग समूह मे ममता रजक ने रजत पदक प्राप्त किया वही इसी वर्ग समूह मे जे. रामालक्ष्मी ने कास्य पदक प्राप्त किया। 63 किलोग्राम वर्ग समूह मे संतोसी माझी ने कास्य पदक प्राप्त किया। 69 किलोग्राम वर्ग समूह मे रेशमा देवी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

74 किलोग्राम वर्ग समूह मे जानवी जगदीश सावढेरकर ने रजत पदक प्राप्त की। 84 किलोग्राम वर्ग समूह मे प्रीति कास्य पदक प्राप्त की। पुरुष वर्ग मे 83 किलोग्राम वर्ग समूह मे बीजिन सेंकी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ (सेकरसा) कि महिला पावर लिफ्टिंग टीम ने कुल 46 अंक अर्जित कर टीम चैम्पीयनशीप रनर अप का खिताब अपने नाम किया जिसमे टीम ने कुल 7 पदक जीता जोकि 2 गोल्ड, 2 सिल्वर एवम 3 ब्रॉन्ज मेडल थे।

प्रतियोगिता मे ज़ोनल प्रशिक्षक बी. राजशेखर राव एवं टीम मैनेजर सुभाष कुमार तथा महिला सहायक चारुलता साहसी सपोर्ट स्टाफ के रूप में टीम को प्रतिनिधित्व किया।

कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक एवं अध्यक्ष सेकरसा रायपुर श्री संजीव कुमार तथा वरिष्ठ मंडल खेल अधिकारी श्री राहुल गर्ग द्वारा खिलाड़ियों को शॉल मेडल एवं पौधा देकर सममानित किया गया। सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मंडल रेल प्रबंधक तथा अध्यक्ष सेकरसा रायपुर श्री संजीव कुमार एवं वरिष्ठ मंडल खेल अधिकारी श्री राहुल गर्ग, मंडल खेल अधिकारी श्री शिवाशीस कुमार एवम मंडल खेल सचिव श्री स्वर्ण सिँह कळसी तथा अन्य सेकरसा खिलाड़ियों द्वारा बधाई दी गई।

वृद्ध सुमरिता बाई को हर माह मिलेगा नि:शुल्क राशन, राशनकार्ड के आवेदन प्राथमिकता से किये जा रहे हल

मुख्यमंत्री साय ने बुनियादी सुविधा से जुड़े विषयों पर त्वरित कार्रवाई के लिए प्रशासन को दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आम जनता के राशन कार्ड जैसी बुनियादी सुविधाओं के आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। इसके चलते प्रशासन की कोशिश है कि न्यूनतम समय में राशन कार्ड के लिए आए आवेदकों के आवेदन पर कार्रवाई हो। जनदर्शन में आ रहे ऐसे आवेदनों पर त्वरित निराकरण हो रही है। सुमरिता बाई के अंत्योदय राशनकार्ड के लिए दिए गए आवेदन पर भी इसी तरह शीघ्र कार्रवाई की गई। कोरबा जिले के विकासखंड कटघोरा के ग्राम पंचायत अरदा की आवेदिका सुमरिता बाई ने कलेक्टर जनदर्शन में आकर आवेदन दिया।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने खाद्य अधिकारी को तत्काल निर्देशित किया कि पात्र सुमरिता बाई को अन्त्योदय राशन कार्ड बनाकर दिया जाए। आवेदन पर तवरित काईवाई कर सुमरिता बाई के नाम पर अंत्योदय राशन कार्ड जारी कराकर ग्राम पंचायत के सरपंच के माध्यम से घर में दिया गया। इसी तरह ग्राम जोरहाडबरी विकासखण्ड पाली निवासी श्री प्रवीण कुमार ने अपनी माता के नाम पर जारी राशन कार्ड में स्वेच्छा से अपना नाम विलोपित करने जनदर्शन में आवेदन दिया। कलेक्टर के निर्देश के पश्चात खाद्य अधिकारी ने प्रवीण कुमार का नाम आश्रित सदस्य से तत्काल विलोपित कर दिया। उल्लेखनीय है कि अन्त्योदय अन्न योजना गरीब परिवारों के लिये मार्च, 2001 से लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत अति गरीब परिवारों को 1 रूपए प्रति किलो की दर से 35 किलो चावल प्रति परिवार, प्रतिमाह प्रदाय किए जाने का प्रावधान है। वर्तमान में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत समस्त अन्त्योदय राशनकार्ड धारकों को नि:शुल्क चावल प्रदाय किया जा रहा है।

नई दिल्ली में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग का वृक्षारोपण

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आज नई दिल्ली में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सूचना केन्द्र के कर्मचारियों ने आज साउथ दिल्ली में वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विभाग के प्रमुख अधिकारी और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण कर पर्यावरण की सुरक्षा और हरियाली बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'यह अभियान न केवल पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मातृत्व के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का एक सुंदर तरीका भी है।' कार्यक्रम के दौरान, अधिकारियों ने स्थानीय समुदाय को भी वृक्षारोपण के महत्व के बारे में जागरूक किया।

उत्तर प्रदेश में हाईब्रिड कार पालिसी से सस्ते मिलेंगे वाहन

हरित अभियान के तहत उत्तर प्रदेश ने हाइब्रिड वाहनों को पंजीकरण शुल्क से मुक्त किया

पंजीकरण पर ग्राहकों को प्रत्येक वाहन पर 1.50 लाख रुपए से अधिक का लाभ मिल सकता है

लखनऊ (विश्व परिवार)। राज्य में पर्यावरण के अनुकूल वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, उत्तर प्रदेश (यूपी) सरकार ने मजबूत हाइब्रिड कारों पर पंजीकरण कर की पूरी छूट की घोषणा की है। इस कदम से मारुति सुजुकी इंडिया, होंडा कार्स इंडिया और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर जैसी कंपनियों को लाभ होने की संभावना है, जिसमें ग्राहकों को 3.50 लाख रुपए तक का लाभ हो सकता है।

उदाहरण के लिए, मारुति सुजुकी की ग्रैंड विटारा और इनविक्टो या टोयोटा हाइडर और इनोवा हाइक्रॉस या यहां तक कि होंडा की सिटी ईएचईवी, जो सभी मजबूत हाइब्रिड वाहन हैं, इस ऑफर के अंतर्गत आते हैं।

राज्य में मजबूत हाइब्रिड वाहनों की बिक्री में मदद मिलेगी, हालांकि अभी खरीदारों की संख्या कम है। ऐसे वाहनों के अधिकांश खरीदारों के पास पहले से ही एक वाहन है, और पहली बार खरीदने वालों की संख्या अभी बहुत कम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस कदम से ऑटो सेक्टर को मदद मिलेगी।

संदर्भ के लिए, HEV और PHEV दोनों ही आंतरिक दहन इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का उपयोग करते हैं। HEV और PHEV के बीच मुख्य अंतर यह है कि बाद वाले में बड़ी बैटरी होती है, जिसे बाहरी बिजली स्रोत का उपयोग करके चार्ज करना पड़ता है।

मजबूत हाइब्रिड वाहनों की बिक्री में मदद मिलेगी, हालांकि अभी खरीदारों की संख्या कम है। ऐसे वाहनों के अधिकांश खरीदारों के पास पहले से ही एक वाहन है, और पहली बार खरीदने वालों की संख्या अभी बहुत कम हैश। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस कदम से ऑटो सेक्टर को मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यूपी सरकार ने 2022 में नीति की घोषणा की थी और अब इसे अंतिम रूप से लागू किया गया है। मार्च 2023 में राज्य ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर शून्य पंजीकरण लागत की नीति की घोषणा की थी।

एमएसआईएल के एक डीलर के अनुसार, राज्य में अभी मजबूत हाइब्रिड वाहनों की मांग ज्यादा नहीं है, लेकिन इस घोषणा से बिक्री बढ़ सकती है।

सूत्रों के अनुसार, पिछले साल MSIL ने केवल 1, 000 वाहन (ग्रैंड विटारा और इनविक्टो के स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड) बेचे। ग्रैंड विटारा इंटेलिजेंट इलेक्ट्रिक हाइब्रिड (स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड) की कीमत 18.43 लाख रुपए से शुरू होती है, जबकि इनविक्टो स्ट्रिंग हाइब्रिड की कीमत 25.21 लाख रुपए (सभी एक्स-शोरूम, नोएडा) से शुरू होती है। टोयोटा हाइडर और इनोवा हाइक्रॉस की कीमतें भी लगभग इतनी ही हैं।

HCIL, जो केवल एक मजबूत हाइब्रिड बेचती है, को भी इस नीति से अपनी बिक्री में कुछ बढ़ावा मिल सकता है। होंडा सिटी eÑHEV की कीमत 19 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

एचसीआईएल के मार्केटिंग और बिक्री के उपाध्यक्ष कुणाल बहल ने कहा, मजबूत हाइब्रिड वाहनों पर 100 प्रतिशत रोड टैक्स माफ करना उत्तर प्रदेश सरकार का एक मील का पत्थर है, जो इन पर्यावरण के अनुकूल वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करेगा। ग्राहक अब हमारे सिटी ई:एचईवी जैसे पर्यावरण के अनुकूल हाइब्रिड वाहनों को अधिक किफायती तरीके से चुन सकते हैं। यह टिकाऊ गतिशीलता के लिए हमारी वैश्विक प्रतिबद्धता और 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की हमारी वैश्विक दृष्टि के अनुरूप भी है।

बहल ने कहा कि यह दूरदर्शी निर्णय राज्य में टिकाऊ परिवहन को अपनाने में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

कबरेज- कमल नयन नारंग

राजधानी में स्टार्ट अप को वर्किंग के माध्यम से युवाओं की प्रतिभा निखारने जिला प्रशासन एवं नगर निगम रायपुर की अभिनव पहल

जयस्तंभ मल्टीलेवल पार्किंग एवं भाठागांव बस स्टैण्ड की तीसरी मंजिल पर न्यूनतम दर पर युवाओं को निखरने समुचित वातावरण व स्थान उपलब्ध करवाने का कार्य, एमआईसी के संकल्प अनुरूप युवाओं के कल्याणार्थ क्रियान्वयन का प्रयास

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रषासन एवं विकास विभाग की समाज हितकारी मंषा के अनुरूप रायपुर जिला प्रषासन एवं नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा राजधानी शहर में युवाओं को स्टार्ट अप के माध्यम से प्रतिभा निखारने एवं प्रोत्साहित करने अभिनव पहल कर कार्य किया जा रहा है। रायपुर नगर निगम की एमआईसी में नगर निगम जोन 4 के विभागीय प्रस्ताव के पारित होने उपरांत संकल्प अनुसार मल्टीलेवल पार्किंग की तीसरी मंजिल मे तथा इसी तर्ज पर आई एस बी टी बस स्टैंड के प तीसरी मंजिल पर स्टार्ट अप के क्षेत्र में युवाओं की प्रतिभा निखारने उन्हें समुचित स्थान व वातावरण न्यूनतम शुल्क पर देने का कार्य इस कार्यक्रम तथा प्रोजेक्ट के माध्यम से पहल किया जा रहा है। इस संबंध में लगभग 5 करोड़ का प्रावधान इन्क्यूबेषन कम कोवर्किंग सेंटर की स्थापना के लिये निगम के बजट में प्रावधानित है।

उल्लेखनीय है कि 2 स्थानों पर इन्क्यूबेषन कम कोवर्किंग सेंटर की स्थापना अंतरराज्यीय बस स्टैण्ड के तृतीय तल पर एवं पुराना बस स्टैण्ड मल्टीलेवल पार्किंग के तृतीय तल पर किया जाना प्रस्तावित है। इसमें वर्तमान में जयस्तंभ चैक के समीप पुराना बस स्टैण्ड मल्टीलेवल पार्किंग के तृतीय तल पर नगर निगम रायपुर की पहल पर पार्टिषन एवं फर्नीचर आदि कार्य नगर निगम जोन 4 के माध्यम से किये गये है। वहीं स्पान्सरषीप के माध्यम से क्रेडाई द्वारा वहां लगभग 12 लाख रू. के कार्य स्क्रीन, गेट, रिसेप्षन काउंटर, लाईटिंग, कारपेट ग्रास आदि का कार्य पर सहयोग कर स्पॉन्शरशिप में करवाना के प्रस्ताव पर उन्हें अनुमति प्रदान की गई है, जिसमे से 90त्न कार्य पूर्ण भी करलिया गया है। वहीं सीएसआईडीसी के माध्यम से उक्त स्थल पर एयर कंडीषनर संबंधित कार्य भी पूर्ण करवाये गये है।

वर्तमान में विभिन्न स्टार्ट अप कंपनियों को आमंत्रित कर 10-10 दिवस की प्रषिक्षण अवधि के दौरान विषय विषेषज्ञों को निरीक्षण करवाकर उनसे स्टार्ट अप कार्य को युवाओं के हितार्थ और बेहत्तर बनाने सुझाव मांगे गये है।

ताकि इसका अधिक से अधिक वांछित लाभ स्टार्ट अप में रूचि रखने वाले युवाओं को सहज तरीके से उपलब्ध हो सके। नगर निगम जोन 4 के माध्यम से सिस्टम इंटीग्रेटर हेतु निविदा बुलवायी गयी जिसमें एक निविदाकार का प्रस्ताव प्राप्त हुआ। इसी प्रकार नगर निगम मुख्यालय के माध्यम से अंतरराज्यीय बस स्टैण्ड के तृतीय तल पर इन्क्यूबेषन कम कोवर्किंग सेंटर का निर्माण कार्य प्रचलित है, कार्यादेश अनुसार 19 अगस्त तक उक्त निर्माण कार्य 100 सीटर व्यवस्था के अनुरूप प्रथम चरण में पूरा किया जाना है।

यहां उल्लेखनीय है कि विगत माह सुप्रसिद्ध स्टार्ट अप कंपनी ओयो के अधिकृत प्रतिनिधियों ने अंतर राज्यीय बस स्टैण्ड के तृतीय तल एवं पुराना बस स्टैण्ड मल्टीलेवल पार्किंग के तृतीय तल पर प्रस्तावित इन्क्यूबेषन कम कोवर्किंग सेंटर की स्थापना के संदर्भ में स्थल निरीक्षण किया। ओयो कंपनी के संबंधित प्रतिनिधियों ने रायपुर शहर को स्टार्ट अप के क्षेत्र में असीम संभावनाओं वाला नगर निरूपित किया।

रायपुर जिला प्रषासन एवं नगर पालिक निगम रायपुर की पहल पर अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्टार्ट अप के संदर्भ में महिलाओं को प्रषिक्षित करने आयोजन रखा गया। जिसमें प्रषिक्षण हेतु सम्मिलित होने मंगाये गये आवेदन में 300 महिलाओं के आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें 30 महिलाओं को प्रषिक्षण देने चयनित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं ने भाग लेकर स्टार्ट अप के क्षेत्र में कैरियर बनाकर प्रतिभा निखारने के संबंध में अपने सुझाव दिये। महिलाओं को जिन विषय विषेषज्ञों ने स्टार्ट अप एवं प्रतिभा निखारने प्रषिक्षित किया उनमें मुख्य रूप से यू क्लीन की गुंजन तनेजा, गूगल से नुपुर वर्मा, व्ही फाउंडर सर्कल से भावना भटनागर, मैत्री स्कूल से रजत मिश्रा, इंटोरेट से अनन्या नारंग, फ्लीपकार्ट प्लस से कंचन मिश्रा, डॉक्टर वैद्य से अर्जुन वैद्य, डंजो से अंकुर अग्रवाल सम्मिलित है। इन स्टार्ट अप क्षेत्र के विषय विषेषज्ञो ने मैत्री स्कूल ऑफ एजुकेषन के सहयोग से चयनित 30 महिलाओं को नि:षुल्क ऑनलाईन प्रषिक्षण देते हुए स्टार्ट अप कैरियर में सफल होने के संदर्भ में गुर सिखाए।

रायपुर जिला प्रषासन के साथ मिलकर नगर निगम रायपुर द्वारा राज्य शासन के नगरीय प्रषासन एवं विकास विभाग की समाज हितकारी मंषा अनुरूप इन्क्यूबेषन कम कोवर्किंग सेंटर की स्थापना के माध्यम से राजधानी शहर में युवाओं को प्रतिभा निखारने एवं स्टार्ट अप को प्रोत्साहित करने समुचित वातावरण देने पहल सकारात्मक सोच के साथ की जा रही है। ताकि सबके सहयोग से शहर में नारी सषक्तिकरण कार्य के साथ युवाओं की स्टार्ट अप क्षेत्र में रूचि जागृत हो एवं उनकी प्रतिभा निखर सके जिससे वे आगे चलकर अपने शहर एवं राज्य का नाम रौषन कर सके।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर, गुरूवार 11 जुलाई 2024

व्यापार समाचार

आरबीआई ने दो गैर-सरकारी संस्थानों का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट किया रद

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक एक बार फिर से एक्शन मोड में आ गई है। आरबीआई ने दो गैर-सरकारी संस्थान से रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट को कैंसिल कर दिया है। आरबीआई ने इसको लेकर सर्कुलर जारी किया था। बैंक ने बताया कि अनियमित उधार प्रथाओं के कारण इनका रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट कैंसिल हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि उसने स्टार फाइनेंस इंडिया और पॉलीटेक्स इंडिया के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट को कैंसिल किया है। हैदराबाद स्थित स्टार फिनसर्व इंडिया '(डेसिडरेटा इम्पैक्ट वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व और संचालित) के तहत सेवा की पेशकश कर रहा था। पॉलीटेक्स इंडिया, जिसका मुख्यालय मुंबई में है, मोबाइल एप्लिकेशन (ज़ैटेक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व और संचालित) के तहत सेवाएं प्रदान कर रहा था। आरबीआई ने बताया कि स्टार फिनसर्व के पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) को इसलिए रद् किया गया क्योंकि कंपनी ने क्रेडिट मूल्यांकन जैसे अपने मुख्य निर्णय लेने वाले कार्यों को आउटसोर्स करके अपने डिजिटल लेंडिंग ऑपरेशन में वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग की। यह आरबीआई के आचार संहिता के दिशानिर्देशों का उल्लंघन हैं। इस वजह से स्टार फिनसर्व रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट कैंसिल हुआ है। आरबीआई ने कहा कि स्टार फिनसर्व ने सर्विस प्रोवाइडर को ग्राहक डेटा तक पूर्ण पहुंच प्रदान करके डेटा गोपनीयता और ग्राहक जानकारी की सुरक्षा का भी उल्लंघन किया है। पॉलीटेक्स ने क्लाइंट सोर्सिंग, केवाईसी सत्यापन, क्रेडिट मूल्यांकन, ऋण वितरण, ऋण वसूली, उधारकर्ताओं के साथ अनुवर्ती और शिकायतों में भाग लेने और समाधान से संबंधित अपने मुख्य निर्णय लेने वाले कार्यों को आउटसोर्स करके फाइनेंशियल सर्विस की आउटसोर्सिंग में आचार संहिता के मानदंडों का उल्लंघन किया है। आरबीआई ने कहा कि लेंडिंग देने से संबंधित गतिविधियों को आउटसोर्स करते समय पॉलीटेक्स इंडिया ने अपने सर्विस प्रोवाइडर से एक निश्चित शुल्क अर्जित किया। कुछ मामलों में उन्होंने सेवा प्रदाता से हाई इंटरेस्ट भी लिया है। आरबीआई ने कहा कि रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट कैंसिल होने के बाद अब दोनों संस्थाएं एक गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान (एनबीएफआई) के व्यवसाय में लेन-देन नहीं करेंगी।

शेयर बाजार में तेजी, ऑटो और फार्मा शेयरों में बढ़त

मुंबई(एजेंसी)। मंगलवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी देखी गई। ऑटो और फार्मा शेयरों की अगुवाई में सेंसेक्स फिर से 80,000 का आंकड़ा पार कर गया। मंगलवार सुबह के कारोबार में 200 से अधिक अंकों की बढ़त दर्ज की गई। उधर एनएसई निफ्टी 47 अंकों की बढ़त के साथ 24,368 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार, बाजार का ध्यान अब वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के नतीजों पर है। ऑटो इंडेक्स सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला रहा, जिसमें एक प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई, जबकि इस सप्ताह आईटी शेयरों में गिरावट आई। चॉइस ब्रोकिंग के मंदार भोजने ने कहा, बाजार में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है। ट्रेलिंग स्टॉप-लॉस के साथ अपनी पोजीशन बनाए रखें। गिरावट पर खरीदारी का मौका होगा। कुल मिलाकर रुझान तेजी का बना हुआ है। आम चुनाव के बाद शानदार तेजी और रिकवरी के बाद इस सप्ताह बाजारों में और मजबूती आने की संभावना है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया moto g85 5G- सेगमेंट में पहली बार 3D कर्व्ड pOLED 120H5 डिस्प्ले

नईदिल्ली। भारत के सर्वश्रेष्ठ 5G स्मार्टफ़ोन ब्रांडट्ट, मोटोरोला ने आज moto g85 5G के लॉन्च की घोषणा की। यह moto g series का पहला स्मार्टफ़ोन है, जिसमें सबसे बेहतरीन 3D curved, एंडलेस एज डिस्प्ले लगाया गया है। moto g85 5G को इस सेगमेंट में पहली बार कई उम्दा और बेहतरीन फ़ीचर्स के साथ पेश किया गया है, जिनमें सेगमेंट के सर्वश्रेष्ठ 3D कर्व्ड v20H5 pOLED डिस्प्ले के साथ Gorilla Glass 5 प्रोटेक्शन और 1600 nits का ब्राइटनेस शामिल है। लोगों को हैरत में डाल देने वाले Son LYTIA™ 600 सेंसर के साथ सेगमेंट के सबसे शानदार शेक फ्री 50MP OIS कैमरे के साथ आने वाले इस स्मार्टफ़ोन का डिजाइन काफ़ी स्लीक, लाइटवेट और सुपर-प्रीमियम है, जिसे पैनटोन क्यूरेटेड कलर्स के अलावा बेहतरीन सॉफ्टवेयर अनुभव के लिए Smart Connect के साथ बाजार में उतारा गया है। इसके साथ ही, moto g85 5G में इस सेगमेंट का सबसे बेहतरीन 12GB RAM + 256GB स्टोरेज है और यह 13 5त्र बैंड्स के साथ जबरदस्त 5G परफॉरमेंस, VoNR और इसी तरह के ढेर सारे फ़ीचर्स को सपोर्ट करता है, जिसकी प्रभावी कीमत सिर्फ 16,999* रुपये (8+128GB) और 18,999* रुपये (12+256GB) है।

सैमसंग इंडिया ने 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' की 100 टीमों की पहली सूची जारी की

भिलाई: भारत के अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी एक बड़ी सीएसआर पहल - 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' के लिए 100 टीमों को शॉर्टलिस्ट करने की घोषणा की है। यह पहल देशभर में नए-नए आविष्?कार करने के सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई है। इस शॉर्टलिस्ट में 'स्कूल' और 'यूथ' ट्रैक से 50-50 टीमें शामिल हैं जो अब राष्ट्रीय शिक्षा और नवाचार प्रतियोगिता में आगे प्रतिस्पर्धा करेंगी। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन ने कहा सैमसंग का मानना है कि हमारे युवाओं में सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने की अपार शक्ति और क्षमता है। हमारे प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' ने इस साल पहली बार स्कूली छात्रों के लिए उनके खास कौशल और विचारों को ध्यान में रखते हुए एक नई कैटेगरी बनाई है। विचारों की गुणवत्ता में सुधार उनकी रचनात्मकता और नई सोच का प्रमाण है। इस साल पहली बार, हमने पांच क्षेत्रों - उत्तर, दक्षिण, पश्चिम, पूर्व और उत्तर-पूर्व के सुदूर इलाकों में भी जाने का फैसला किया है, इससे देश के दूरदराज के क्षेत्रों से भी भागीदारी बढ़ेगी। हमें कुछ बहुत ही अच्छी तरह से व्यक्त किए गए विचार मिले हैं, और युवाओं से इस तरह की प्रस्तुतियां और विचारों की स्पष्टता देखना अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक है।

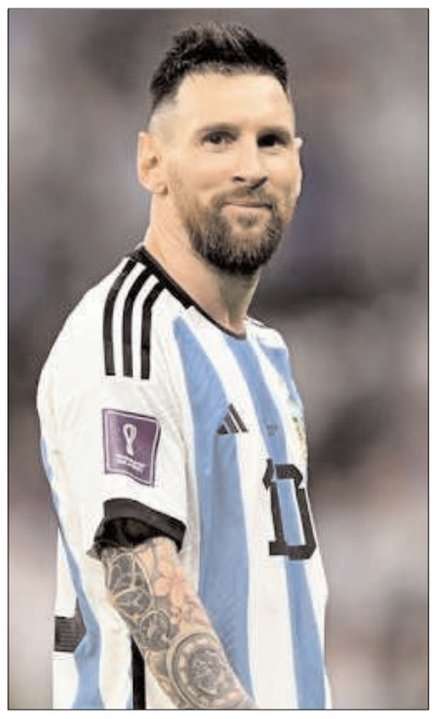

मेसी सेमीफाइनल में कनाडा के खिलाफ खेलने के लिए फिट: कोच स्कालोनी

न्यू जर्सी (यूएसए)(एजेंसी)। स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी बुधवार को कोपा अमेरिका कप के सेमीफाइनल में कनाडा के खिलाफ खेलने के लिए फिट हो जाएंगे। अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनल स्कालोनी ने यह पुष्टि की है। मेसी की फिटनेस पर संदेह था क्योंकि स्ट्राइकर जांघ की शिकायत के कारण पेरू के खिलाफ आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में नहीं खेल पाए थे। हालांकि, वह इक्वाडोर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में लौटे और 90 मिनट पूरे किए, हालांकि वह पेनल्टी शूटआउट में मौके से चूक गए। प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में, स्कालोनी ने किसी भी फिटनेस चिंता से इनकार किया और कहा कि मेसी को शामिल करने पर निर्णय लेना उनके लिए कोई दिमागी काम नहीं था क्योंकि पूरी तरह से फिट नहीं होने की स्थिति में भी वे उन्हें खिलाते। स्कोलोनी ने कहा, 99 फीसदी समय, (मेसी) खेलने के लिए फिट है। मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ कि वह खेलने के लिए फिट नहीं है। हर बार जब वह मैदान पर आता है, तो वह खेलने के लिए फिट होता है। (कनाडा) के खिलाफ, वह खेलने के लिए फिट है , बिना किसी संदेह के। यह मेरे लिए बहुत आसान निर्णय है, क्योंकि यह एक बहुत ही स्पष्ट निर्णय है, कि यदि वह ठीक है, तो वह खेलता है और यदि वह ठीक नहीं है, तो वह अंतिम 30 मिनट खेलता है। जब वह फिट होता है, तो वह हमेशा खेलता है। इसमें कोई संदेह नहीं है। किसे कोई संदेह होगा ? मैं कोच हूं, इसलिए मुझे कोई संदेह नहीं है। मैं ही निर्णय लेता हूं और जब मैं देखता हूं कि वह खेलने के लिए फिट है, तब भी यदि वह 100 फीसदी फिट नहीं है, तो वह खेलेगा। मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इसका मुझ पर कभी कोई असर नहीं पड़ेगा, मुझे पता है कि भले ही वह परफेक्ट स्थिति में न हो, वह हमें क्या दे सकता है। उन्होंने कहा, यह जानते हुए कि वह हमें बहुत कुछ देता है, मैं उसे मैदान पर न उतारने की गंभीर गलती नहीं करूंगा, इसलिए यह निर्विवाद है। कनाडा के खिलाफ जीत अर्जेंटीना को पिछले दशक में पांच टूर्नामेंटों में चौथे कोपा अमेरिका फाइनल में पहुंचा देगी।

विराट कोहली के पब पर पुलिस ने कसा शिकंजा, एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु(एजेंसी)। क्रिकेटर विराट कोहली के बेंगलुरु स्थिति पब के खिलाफ पुलिस ने एक्शन लिया है. इसके साथ ही बेंगलुरु पुलिस ने पब के प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है. जानकारी के मुताबिक, बेंगलुरु के एमजी रोड स्थित रेस्तरां वनएट कम्यून के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है. दरअसल, पुलिस ने ये कार्रवाई पब को देर रात तक खोलने के आरोप में की है. बेंगलुरु पुलिस के मुताबिक, इसके अलावा उन्होंने अन्य पबों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है. पब प्रबंधन पर आरोप है कि वे

परिचालन समय को नजरअंदाज करते हुए देर रात तक पब का संचालन कर रहे हैं. डीसीपी सेंट्रल के बयान के मुताबिक, हमें देर रात डेढ़ बजे तक पब संचालन की शिकायतें मिली थी. इसके साथ ही हमें वहां तेज म्यूजिक बचाने की भी शिकायत मिली थी. इसके बाद शहर के करीब 3-4 पब बुक किए हैं. जहां पर देर रात तेज म्यूजिक बजाए जाने की शिकायतें मिली थी. बता दें कि बेंगलुरु में पब संचालन करने का समय रात एक बजे तक का है. इसके बाद पब को बंद करने का नियम है. पुलिस के मुताबिक, पबों को सिर्फ रात एक बजे तक खुले रहने की अनुमति है. इससे ज्यादा समय तक पब का संचालन करना नियमों के विरुद्ध है. ऐसा करने पर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने का प्रावधान है. बता दें कि एमजी रोड स्थित वनएट कम्यून पब चिन्नास्वामी स्टेडियम के करीब है.

रोहित, विराट और बुमराह को श्रीलंका दौरे से दिया जा सकता है आराम

नई दिल्ली(एजेंसी)। टी20 विश्व कप खिताब जीतने के बाद सीनियर प्लेयर्स रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को इस महीने के अंत में श्रीलंका दौरे के लिए आराम दिया जा सकता है। भारत को 27 जुलाई से श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेलने हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई बांग्लादेश दौरे पर लौटने से पहले तीन सीनियर प्लेयर्स को दौरे के लिए आराम देना चाहता है, जहां भारत 19 सितंबर से दो टेस्ट और तीन टी20 खेलेगा। रोहित, कोहली और रवींद्र जडेजा ने पिछले महीने टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, वे अन्य प्रारूपों में भारत के लिए

खेलना जारी रखेंगे। बीसीसीआई संभवतः अगले सप्ताह श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा करेगा। जानकारी के अनुसार, सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया जा सकता है, जिससे वो अगले कुछ बड़े मुकाबलो के लिए तैयार रहें। रोहित, विराट और बुमराह को आराम की पेशकश की गई है और वे सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल होंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि सितंबर में पूरे सत्र के लिए वापसी से पहले इन सीनियर प्लेयर्स को पूरा आराम मिल सके। इस बीच, टी20 विश्व कप 2024 मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का आखिरी कार्यभार था।

यूपीआई का असर! छोटे व्यापारों में डिजिटल लेनदेन बढ़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में छोटे दुकानदारों और फर्म की ओर से ऑर्डर लेने या देने के लिए बड़ी संख्या में डिजिटल माध्यम का उपयोग किया जा रहा है। इसकी वजह यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) जैसी सुविधाओं का समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी सर्वे के अनुसार, यूपीआई से भुगतान करने या ऑनलाइन ऑर्डर देने के रूप में बिजनेस उद्देश्य के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल 2022-23 के बीच ग्रामीण इलाकों में बढ़कर 13.5 प्रतिशत हो गया है, जो पहले 7.7 प्रतिशत था। वहीं, शहरी इलाकों में यह बढ़कर 30.2 प्रतिशत हो गया है, जो पहले 21.6 प्रतिशत पर था। इस तरह ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में संयुक्त रूप से 7.2 प्रतिशत की बढ़त हुई है। यह दिखाता है कि असंगठित क्षेत्र में डिजिटल पेमेंट को लोग अपना रहे हैं और आईटी एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। सर्वे के मुताबिक, असंगठित क्षेत्र में अनुमानित प्रतिष्ठानों की संख्या में 5.88 प्रतिशत, कर्मचारियों की संख्या में 7.84 प्रतिशत और ग्रॉस वैल्यू एडिशन में 9.83 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। सर्वे में आगे बताया गया कि सेक्टर में पूंजीगत निवेश बढ़ा है, लोन तक लोगों की पहुंच बढ़ी है और

आईटी के उपयोग में भी इजाफा देखा गया है। सर्वे के मुताबिक, गैर-कृषि असंगठित क्षेत्र की इकाइयों की औसत फिक्स्ड एसेट्स की वैल्यू 2022-23 में 3.18 लाख रुपये रही है, जो पहले 2.81 लाख रुपये थी, जो दर्शाता है कि इस सेक्टर में पूंजीगत निवेश बढ़ा है। वहीं, 2021-22 में बकाया लोन 37,408 रुपये प्रति इकाई था, जो कि 2022-23 में बढ़कर 50,138 रुपये हो गया है। इससे पता चलता है कि लोगों के लिए लोन की उपलब्धता बढ़ी है। सर्वे के अनुसार मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 54 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र की इकाइयों का स्वामित्व महिला उद्यमियों के पास है, जो दर्शाता है कि महिला केंद्रित योजनाओं का फायदा जमीनी स्तर पर हो रहा है।

चुने जाने पर चैंपियंस ट्रॉफ़ी में खेलने के लिए तैयार हैं डेविड वॉर्नर

नईदिल्ली(एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के स्टार बैटर डेविड वॉर्नर ने अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए इच्छा जाहिर की है। वॉर्नर का टेस्ट क्रिकेट से जनवरी, वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद वनडे और टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद इंटरनेशनल करियर समाप्त हो गया था। वॉर्नर ने अभी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहने की बात कही। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में अगले साल फरवरी और मार्च में पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने की इच्छा जाहिर की है। वॉर्नर ने लिखा, मैं फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलता रहूंगा और अगर चुना जाता हूं तो चैंपयिंस ट्रॉफी में भी खेलने को तैयार हूं। उन्होंने वनडे से संन्यास

लेते हुए भी कहा था कि चैंपियंस ट्रॉफी में जरूरत पड़ी तो मैं उपलब्ध रहूंगा। वॉर्नर 3 बार वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहे हैं, इसमें 2015 और 2023 का वनडे वर्ल्ड कप और 2021 का टी-20 वर्ल्ड कप शामिल है। डेविड वॉर्नर ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत 2011 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ब्रिस्बेन में की था। उन्होंने 112 टेस्ट मैचों में 44.59 की औसत से 8786 रन बनाए। इसमें 26 शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं। वॉर्नर ने वनडे करियर की शुरुआत साउथ अफ्रीका के खिलाफ होबार्ट में 2009 में की थी। उन्होंने वनडे में आखिरी मैच वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में 19 नवंबर को अहमदाबाद में भारत के खिलाफ खेला था। अब तक खेले 161 वनडे मैचों में 45.30 की औसत से 6932 रन बनाए हैं। इसमें उन्होंने 22 शतक और 33 अर्धशतक लगाए। वॉर्नर 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी रहे। वॉर्नर टी-20 इंटरनेशनल में आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 110 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 3277 रन बनाए हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)
निविदा सूचना (प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

एन.आई.टी. क्र./सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रु. (लाख में)
1	2	3
74/155710	WHITE WASHING, COLOUR WASHING, DISTEMPERING & PAINTING WORK AT VIP BUNGLOW, SHANTI NAGAR AND SHANAKR NAGAR UNDER SECTION NO-4, SUB-DIVISION NO.1 RAIPUR (C.G.)	रु. 25.00 लाख
76/155711	WHITE WASHING, COLOUR WASHING, DISTEMPERING & PAINTING WORK OF BYRON BAZAR, POLYTECHNIC, CHHATTISGARH COLLEGE & N.H. COLONY UNDER MAINTENANCE SUB-DIVISION RAIPUR (C.G.)	रु. 30.00 लाख
79/155712	INTERNAL & EXTERNAL PAINTING AND SATIN SYNTHETIC ENAMEL PAINTING AT MANA SECTION RAIPUR UNDER P.W.D. SUB DIVISION NO.-1, RAIPUR CHHATTISGARH	रु. 25.00 लाख
83/155713	ORDINARY MAINTANANCE WORK OF SANGWARI VIDHAYAK VISHRAM GRIH, PANKAJ VICRAM APARTMENT, TIKRAPARA GAD QUARTERS, VIDHANSABHA SUB-DN., RAIPUR (C.G.)	रु. 25.00 लाख
82/155714	S/R, MOW & DEPOSIT WORKS OF NEW PENSIONBADA UNDER MAINTENANCE SUB-DIVISION, RAIPUR (C.G.)	रु. 25.00 लाख
81/155716	ORDINARY MAINTANANCE WORK FOR VIDHAN SABHA MAIN BUILDING AND RESIDENTIAL CAMPUS UNDER, VIDHANSABHA SUB-DN., RAIPUR (C.G.)	रु. 60.00 लाख

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 28.07.2024 समय सायं 5.30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है.

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., रायपुर मण्डल क्र.-1
रायपुर (छ.ग.)

G-242500944/2

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

एक पेड़ माँ के नाम

महावृक्षारोपण अभियान
11 जुलाई 2024

चलव बनाबो हरियर छत्तीसगढ़

प्रदेश में रोपे जाएँगे करीब 4 करोड़ पौधे

आइये जननी और जन्मभूमि के रिश्ते को नई पहचान दें, पौधा लगाकर उसे संरक्षित करें।

- श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

SAMVAD- 40764/ 46

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क